

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: **ट्रीफ बॉक्स :**

सीजेआई बोले-गंभीर मामलों में न्यायपालिका संसद का इंतजार नहीं करती



नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका ‘डिजिटल अरेस्ट’ जैसे नए तरह के फ्रांड पर संसद के कानून बनाने का इंतजार करने के बजाय सक्रिय रूप से कार्रवाई करती है। उन्होंने शनिवार को लंदन में 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। C.J.I ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में ‘डिजिटल अरेस्ट’ स्कैम पर स्वतः सज़ा लगाया है। इसमें उग्र वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से धोखाधड़ी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में स्वतः सज़ा लगा था। कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से इस समस्या के स्तर का आकलन करने, अलग अपराध बनाने और नुकसान के अनुपात में सजा तय करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था।

कॉंकरोच पार्टी बोली- सरकार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती

तीन मांगे अभी अधूरी; 5 सितंबर को सीजेपी का दिल्ली में फिर मार्च



नई दिल्ली,एजेंसी। 5 सितंबर को सीजेपी दिल्ली में विरोध मार्च निकालेगी। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को सरकार पर मांगे पूरी न करने का आरोप लगाया। सीजेपी ने एक्स पर लिखा कि सरकार हर बार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती। सरकार के सामने रखी गई चार में से तीन मांगें अब भी अधूरी हैं। पहली- छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। दूसरी- छात्रों के खिलाफ दर्ज खटूक वापस ली जाए और कोई कार्रवाई न की जाए।तीसरी- RAF और दिल्ली पुलिस माफी मांगे।

सिब्बल का भागवत पर निशाना:

कहा- विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी



नई दिल्ली,एजेंसी। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की अमेरिका में की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। भागवत ने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है। सिब्बल ने कहा कि सिर्फ शब्द मायने नहीं रखते, बल्कि काम भी दिखाई देना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता और निर्दलीय राज्यसभा सांसद सिब्बल ने भागवत की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे ‘विदेश में समझदारी की बातें’ और ‘देश में चुप्पी’ का मामला बताया। सिब्बल ने एक्स पर कहा, ‘न्यूयॉर्क में भागवत: ‘विविधता हमारी स्वाभाविक एकता की शोभा है। इसकी रक्षा की जानी चाहिए।’ विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी। शब्द मायने नहीं रखते, काम बालना चाहिए!’ सिब्बल की यह टिप्पणी आरएसएस प्रमुख भागवत के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और इसे मनाया, सम्मानित और स्वीकार किया जाना चाहिए।

मोदी ने उज्बेकिस्तान में लोगों को योग सिखाया

● सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड कर कहा- बहुत बढ़िया किया ● राष्ट्रपति शावकत के साथ द्विपक्षीय बैठक की

ताशकंद,एजेंसी। पीएम मोदी दो दिन के उज्बेकिस्तान दौर पर हैं। उन्होंने रविवार सुबह ताशकंद में एक योग सेशन में हिस्सा लिया। पीएम ने वहां मौजूद लोगों को योग करना भी सिखाया। इसके बाद उन्होंने सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड किया। जिसमें योग करने वाले पार्टिसिपेंट नजर आए, पीएम ने उनसे कहा- नमस्ते, आप सभी ने बहुत अच्छा योग किया।

ताशकंद में मोदी और राष्ट्रपति शावकत मिर्ज़ियोयेव के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई।

शाम को मोदी ताशकंद में शास्त्री मेमोरियल और महात्मा गांधी सेंटर भी जाये। प्रधानमंत्री के रूप में यह उनका चौथा उज्बेकिस्तान दौरा है।

31 अगस्त को पीएम किर्गिस्तान जाएंगे: SCO समिट में शामिल होंगे: उज्बेकिस्तान दौर के बाद प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे। यहां वे SCO की 26वीं समिट में हिस्सा लेंगे। भारत 2017 से SCO का पूर्ण सदस्य है। समिट में सुरक्षा, आतंकवाद, व्यापार, कनेक्टिविटी और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। समिट के दौरान मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य देशों के नेताओं से मुलाकात हो सकती है। मोदी बिश्केक में होने वाले 6वें वर्ल्ड नोमैड गैम्स के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे।



पीएम मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय सम्मान ‘ओली दराजाली दोस्तलिक’ से सम्मानित किया गया। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्ज़ियोयेव ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से नवाजा। जुलाई 2026 में इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ‘बितांग अदीपुर्ना’ मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदेशी देशों से मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 35 हो गई है।

न्यूयॉर्क में भागवत बोले- भारत के डीएनए में एकता-विविधता

हम अलग होकर भी एकदूसरे से जुड़े, गलत सोच इंसान को जानवरों के करीब ले जाती है

न्यू यॉर्क , एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में शनिवार रात करीब 42 मिनट स्पीच दी। उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के DNA में हैं। लोग अलग दिखते हैं, उनके रहने के तरीके हैं, लेकिन सभी के बीच एक जन्मजात जुड़ाव है। भागवत ने कहा- विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच है और देश समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका एहसास कराता रहा है। उन्होंने आगे कहा- सोचने की क्षमता इंसान के लिए एक वरदान है। सही सोच इंसान को भगवान के करीब ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे जानवरों के करीब ले जाती है। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित ‘यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन’ कार्यक्रम में 5,000 से ज्यादा भारतीय मूल के अमेरिकी शामिल हुए। इसका आयोजन अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एगोजमेंट एंड डायलॉग (AHEAD) ने किया। कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेता पहुंचे थे। **‘भारत के लिए योगदान जरूरी नहीं, लेकिन उससे**

मिले मूल्यों पर चलें’: भागवत ने कहा कि भारतीय प्रवासियों को पहले अपनी कर्मभूमि की जिम्मेदारियां निभानी चाहिए। भारत उनकी जन्मभूमि है, इसलिए अमेरिका के प्रति अपनी जिम्मेदारियां पूरी करने के बाद अगर वे भारत के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो उन्हें ऐसा करने से कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए योगदान देना जरूरी नहीं है। जन्मभूमि उनसे मुख्य रूप से यह अपेक्षा करती है कि वे भारत से मिले मूल्यों को अपनाएं और उन्हीं के अनुसार अपना जीवन जिएं।



भागवत बोले- कमाई कितनी है तो ज्यादा कितना बांटते है यह जरूरी...

भागवत ने कहा कि करियर का मतलब सिर्फ पैसा कमाना और भौतिक सुख हासिल करना नहीं है। हम कितना कमाते हैं, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि हम उसमें से कितना दूसरों के साथ बांटते हैं। जीवन में कमाई के साथ सेवा और आध्यात्मिक विकास भी जरूरी है।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ी मुश्किलें:

बिलबोर्ड विवाद मामले में टीएमसी सांसद को पुलिस का नोटिस

कोलकाता,एजेंसी। इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गार्ड्स के बीच हाथापाई हुई थी। शनिवार देर शाम बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में डेरेक ओ’ब्रायन और पूर्व विधायक हुमायूँ कबीर समेत पार्टी के अन्य नेताओं के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डेरेक ओ’ब्रायन को रविवार को नोटिस दिया गया।



पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में मंगलवार दोपहर शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों।

अब सेना में तकनीक का इस्तेमाल: रोबोट सैनिकों की फौज तैयार कर रहा चीन

लखनऊ कैट अब मॉडल कैंटोनमेंट बोर्ड बनेगा

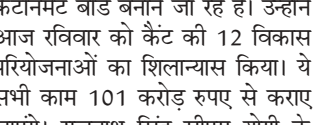
रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 12 परियोजनाओं का शिलान्यास किया, 101 करोड़ से काम होगा

» भविष्य के युद्ध की खतरनाक तस्वीर दिखाई

ब्रिजिंग,एजेंसी। चीन भविष्य के युद्ध में रोबोट को सैनिकों के मोर्चे पर उतारने की तैयारी में जुट गया है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के आधिकारिक अखबार पीएलए डेली में 28 अगस्त को प्रकाशित एक लेख में एआई और रोबोटिक्स को सैन्य विकास की क्रांतिकारी ताकत बताते हुए सीधे युद्धक क्षमता में बढ़त पर जोर दिया गया है। लेख में रोबोट्स को युद्ध जीतने में सक्षम और लड़कू बनाने के लिए सैन्य जरूरतों और तकनीकी शोध करने की बात कही गई है। जल्द बदलेगा युद्ध ? जाहिर है निकट भविष्य में सीमा पर सैनिकों के साथ ड्रोन, चार पैरों वाले रोबोट, छूमनिर्झ मशीनें और एआई आधारित



विशाल निर्माण क्षमता... तो वया जल्द भारत-चीन सीमा पर रोबोट सैनिक दिखाई दे सकते हैं? मौजूदा ह्यूमनॉइड रोबोट अभी ऊर्जा, विश्वसनीयता, जटिल परिस्थितियों में निर्णय लेने और लंबे समय तक स्वायत्त संचालन जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन खतरा केवल इस बात में नहीं है कि चीन अब एक रोबोट सैनिक तैयार कर पाता है। स्वायत्त सिस्टम मिलकर काम कर सकते हैं। चीन की मौजूदा दिशा इसी सभावना की ओर इशारा करती है।



रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 12 परियोजनाओं का शिलान्यास किया, 101 करोड़ से काम होगा

लखनऊ,एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ कैट को मॉडल कैंटोनमेंट बोर्ड बनाने जा रहे हैं। उन्होंने आज रविवार को कैट की 12 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। ये सभी काम 101 करोड़ रुपए से कराए जाएंगे। राजनाथ सिंह सीएम योगी के साथ सुबह 10:50 बजे दिलकुशा लॉन पहुंचे। यहां पर 11 बजे पहले पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। मन की बात कार्यक्रम सुनने के दौरान लखनऊ के सभी भाजपा विधायक, थूपी के सरकार के कुछ मंत्री, मेयर सुषमा खर्कवाल, कैट बोर्ड के अधिकारी मौजूद रहे। यहां से रक्षामंत्री



आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर सीक्रेट चैटिंग कर रहे पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स इसी पर मैसेज भेजते

» एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पहचान छिपाने की कोशिश

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान में बैठे आतंकी सीक्रेट चैटिंग के लिए अब पोर्न वेबसाइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को बताया कि आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI इसका सबसे ज्यादा यूज कर रहे हैं। आतंकी इसके जरिए जम्मू-कश्मीर में भर्ती किए गए लोगों तक मैसेज पहुंचा रहे हैं। ताकि पारंपरिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी से बचा जा सके। अधिकारियों ने



बताया कि इन पोर्नोग्राफी प्लेटफॉर्म पर रियल-टाइम चैट टूल मौजूद होते हैं। जो आसपास डेट (पार्टनर) ढूँढने में मदद करने के नाम पर काम करते हैं। लेकिन हैंडलर्स इनका इस्तेमाल आतंकी गतिविधि के लिए कर रहे हैं। **आतंकी टोर नेटवर्क का भी इस्तेमाल कर रहे:** सुरक्षा एजेंसियों ने कई खास डिजिटल टूल्स की जांच शुरू की है।

चीन, फ्रांस के ऐप भी आतंकीयों के फेवरेट... इसके अलावा, आतंकी फ्रांस बेस्ड ऐप्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसमें सिम कार्ड या फोन नंबर की जरूरत के बिना एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा है।

आतंकी हैंडलर कोटेक्स और कोनियन जैसे टोर आधारित मैसेजिंग ऐप्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। ये ऐप्स डेटा को एन्क्रिप्टेड नोड्स के जरिए भेजते हैं और यूजर की पहचान छिपाते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भारत में कोनियन की एपीक फाइल तक पहुंच पर रोक है।

सेना ने 18,600 फीट ऊंचाई पर मरीज को बचाया

तेज हवाओं के बीच खड़ी ढलान पर हेलिकॉप्टर का एक हिस्सा टिकाकर एयरलिफ्ट किया

लद्दाख,एजेंसी। भारतीय सेना के एविएशन पायलटों ने शनिवार को लद्दाख के कारगिल क्षेत्र के पास स्थित नुन-कुन पर्वत पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और एक मरीज को सुरक्षित निकाला। 18,600 फीट की ऊंचाई पर तेज हवाओं और बेहद कठिन पहाड़ी इलाके के बीच यह बचाव अभियान बेहद मुश्किल था। खड़ी ढलान पर हेलिकॉप्टर उतारने के लिए कोई सामान्य लैंडिंग स्पेस नहीं था। पायलटों ने हेलिकॉप्टर को बेहद कम ऊंचाई पर स्थिर रखा। इसके बाद हेलिकॉप्टर का सिर्फ लद्दाख,एजेंसी। भारतीय सेना के एविएशन पायलटों ने शनिवार को लद्दाख के कारगिल क्षेत्र के पास स्थित नुन-कुन पर्वत पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और एक मरीज को सुरक्षित निकाला। 18,600 फीट की ऊंचाई पर तेज हवाओं और बेहद कठिन पहाड़ी इलाके के बीच यह बचाव अभियान बेहद मुश्किल था। खड़ी ढलान पर हेलिकॉप्टर उतारने के लिए कोई सामान्य लैंडिंग स्पेस नहीं था। पायलटों ने हेलिकॉप्टर को बेहद कम ऊंचाई पर स्थिर रखा। इसके बाद हेलिकॉप्टर का सिर्फ



एक स्किड ढलान से टिकाया और उसे संतुलित रखा। इसके सभी गैर-जरूरी उपकरण हटा दिए गए। हेलिकॉप्टर में केवल सीमित इंधन रखा गया, ताकि लिफ्ट क्षमता बढ़ाई जा सके। साथ ही, मरीज को निकालने का अभियान पूरा करने के लिए जरूरी दूरी तय करने जितना इंधन बचा रहे।

रेस्क्यू ऑपरेशन से पहले हेलिकॉप्टर से भारी सामान हटाया: 18,600 फीट की ऊंचाई पर हवा का दबाव कम होने से इंजन की क्षमता और रोटर से मिलने वाली लिफ्ट घट जाती है। इस स्थिति में उड़ान भरने के लिए हेलिकॉप्टर से सभी गैर-जरूरी उपकरण हटा दिए गए। हेलिकॉप्टर में केवल सीमित इंधन रखा गया, ताकि लिफ्ट क्षमता बढ़ाई जा सके। साथ ही, मरीज को निकालने का अभियान पूरा करने के लिए जरूरी दूरी तय करने जितना इंधन बचा रहे।

वन-स्किड लैंडिंग क्या है... जब हेलिकॉप्टर को समतल जमीन नहीं मिलती और जगह बहुत कम या ढलान वाली होती है, तब पायलट सामान्य तरीके से हेलिकॉप्टर नहीं उतार सकता। ऐसी स्थिति में वह सिर्फ एक स्किड को जमीन या ढलान पर टिकाकर हेलिकॉप्टर को संतुलित रखता है।

हेलिकॉप्टर का स्किड क्या होता है: हेलिकॉप्टर के नीचे लगे दो लंबी पट्टीनुमा सपोर्ट को स्किड कहते हैं।

मोदी बोले- युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं

● इस बार 8 करोड़ तिरंगा सेल्फी अपलोड की गई ● देश में एवाकाडो की मांग बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। मन की बात’ का 137वां एपिसोड प्रसारित हो रहा है। पीएम ने कहा कि मन की बात नए प्रयासों सामने लाने का मंच है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा। पीएम ने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गई और ‘सूर्यपथ तिरंगा’ के जरिए फिजी से लेकर दुनिया भर में तिरंगा शान से फहराया गया। फिजी के सुवा में सूर्य की पहली किरणों के साथ तिरंगा फहराया गया। इसके बाद, तिरंगा एशिया, अफ्रीका, यूरोप और फिर



गंगा घाट की सफाई... पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छता का संकल्प लोगों की अपनी आदत बन जाए तो पूरी जगह की पहचान बदल जाती है। उन्होंने यूपी के रामपुर स्थित पटवाई गांव के आकाश और रोहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने ‘वलीन-अप पटवाई’ टीम बनाकर युवाओं के साथ मिलकर चार गंगा घाटों की सफाई की, कई तालाब संचार और एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटाया।

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मिशनरों और चौकियों पर लहराता रहा।

संक्षिप्त समाचार

नोनी में उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी, एक की मौत और छह घायल

थौबल में ग्रेनेड धमाका

अशांत मणिपुर कब होगा शांत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। वहीं, थौबल जिले में एक तेल पंप के भीतर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

नोनी में दो गुटों के बीच क्यों हुई गोलीबारी: पुलिस के मुताबिक, शनिवार तड़के नोनी जिले में जेलियांगमंग यूनाइटेड फ्रंट-कामसन जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-जेंचुई के कैडों के बीच टकराव हुआ।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में अवैध मदिरा पर कार्रवाई जारी, वॉश एवं भट्टियां की गई नष्ट

जयपुर, एजेंसी। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के अंतर्गत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधाम्क गतिविधियों के तहत नाकाबंदी, गश्त, दबिश की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जन्त करते हुए हजारों लीटर वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी,अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर में ईपीएफ दल की कार्रवाई में 600 लीटर वॉश सहित एक कच्ची भट्टी नष्ट करते हुए 20 लीटर अवैध हथकड़ शराब जन्त की गई। श्रीगंगानगर में एक अन्य कार्रवाई के तहत लक्ष्मीनारायण नाहर ग्राम खत्ता में 3 हजार लीटर वॉश सहित 3 अवैध भट्टियां नष्ट की गई। भीलवाड़ा के कुर्वांडा खान, ग्राम कुवाडा में कोठरी नदी के पेटे में 4 हजार लीटर वॉश सहित 5 भट्टियां नष्ट की गई। मौके से 15 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी जन्त की। बारां जिले के शाहबाद उपखंड में ग्राम गाडीघाट के समीप के वन क्षेत्र में तलाशी के दौरान 1700 लीटर वॉश एवं 6 भट्टियां नष्ट की गई मौके से 30 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी बरामद की गई। इसी प्रकार प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

पंचकूला में सीएम नायब सैनी ने कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ सुनी ‘मन की बात’

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंचकूला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 137वें संस्करण का ऑनलाइन माध्यम से सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर सेक्टर-1 स्थित रेड बिशप के कन्वेंशन हॉल में कार्यक्रम के प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गई थी, जहां मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ ‘मन की बात’ कार्यक्रम को देखा। ‘मन की बात’ कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के नागरिकों से संवाद स्थापित करते हैं और प्रेरणादायक कहानियों, नवोन्मेषी विचारों तथा सकारात्मक बदलाव लाने वाली जन-नेतृत्व वाली पहलों को साझा करते हैं। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों और संस्थाओं के प्रयासों को सामने लाने के साथ-साथ नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। ‘मन की बात’ में उठाए गए विषयों पर जनहित से जुड़ी पहलों के साथ सार्थक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों और प्रेरणादायक संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर पंचकूला के मेयर श्यामलाल बंसल, हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की चेयरपर्सन बंती कटरिया, जिला अध्यक्ष अनजय मिश्रत, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे, भाजपा नेता कृष्ण कुन, पार्षदगण, पार्टी कार्यकर्ता तथा भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

बच्चे तो ऐसे रोज पिटते हैं, तुम्हे जो करना है कर लो, डायरेक्टर ने दी ये धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चे तो ऐसे रोज पिटते हैं, जाओ तुम्हे जो करना है कर लो। ये जवाब स्कूल की महिला डायरेक्टर ने मासूम के पिता को दी। पीड़ित पिता स्कूल की डायरेक्टर से मासूम के साथ दरिंदगी के बारे में पूछ रहे थे। इतना ही नहीं स्कूल की प्रिंसिपल, टीचर्स और दूसरा स्टाफ भी बचाव में जुट गए। मासूम के पिता ने स्कूल से ही पीसीआर कॉल कर पुलिस को खबर दी। इसके बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू की गई। पुलिस मासूम को पहले मेडिकल के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने पाया कि मासूम के बाएं पैर में और एक आंख के पास सूजन है। बाकी जांच के लिए बाल रोग विशेषज्ञ के पास जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में भी मासूम के साथ दरिंदगी के सबूत मिले। इसके बाद बरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा निर्देश के बाद 28 अगस्त को इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया। फिलहाल मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस ने स्कूल की फुटेज के अलावा कुछ अन्य सबूत

में काफी समय लग जाएगा। उसको कई बार काउंसिलिंग की जरूरत पड़ेगी। घटना के बाद से परिवार में खासा रोष है। परिजनों ने पुलिस से मांग की है कि वह आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लें। पुलिस अधिकारियों ने भी मामले में सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

प्ले स्कूल में साढ़े तीन साल के बच्चे को कुर्सी से बांधकर पीटा: उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में मौजपुर स्थित एक प्ले स्कूल में साढ़े तीन साल के बच्चे के साथ मारपीट व यौन दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल के शिक्षकों और अन्य स्टाफ ने बच्चे को कुर्सी से बांधकर पीटा। उसे कान पकड़कर घसीटने और लात मारकर कुर्सी से गिराने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने स्कूल के निदेशक, प्रिंसिपल, शिक्षकों और आया के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, जेजे एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हुबली में दिनदहाड़े पीछा कर कुल्हाड़ी से काटकर हत्या, खौफनाक वीडियो वायरल

हुबली, एजेंसी। कर्नाटक के हुबली में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक युवक का पीछा कर तेज धारदार हथियारों से काटकर हत्या कर दी गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पीड़ित सड़क पर पड़ा है और दो हमलावर उस पर हमला कर रहे हैं। मृतक की पहचान दादापीर उदयाकर के रूप में हुई है। वे 33 वर्ष के थे और नेकर नगर, हुबली के मूल निवासी थे। पिछले आठ साल से वे पत्नी और बच्चों के साथ शिकायतगी तालुक के बोगेनगरकोप्पा में रहकर खेती कर रहे थे।



चश्मदीनों के अनुसार हमलावरों ने दादापीर का कई सौ मीटर तक पीछा किया। सामने से आ रहे दोपहिया वाहन से टकराकर वे गिर गए, जिसके बाद हमलावरों ने उन पर हमला बोल दिया। हुबली-धारवाड़ पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने बताया कि घटना दोपहर

करीब एक बजे विद्यानगर के सिड्देश्वर पार्क इलाके में हुई। दो लोगों ने तेज हथियारों से हमला किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों को पहचान कर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दादापीर 2015 में मारुति नाम के व्यक्ति की हत्या के मामले में आरोपी थे। 2017 में वे बरी हो गए थे। करीब चार साल पहले उनका राउडी शीट भी बंद कर दिया गया था। पुलिस जांच कर रही है कि हत्या 2015 के मामले का बदला थी या कोई और मकसद था।

अब इंदौर में होगा छात्रों की गूंज का आयोजन, राहुल गांधी करेंगे युवाओं से बात



इंदौर, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी 12 सितंबर को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वह जेन-जी से

संवाद करेंगे। कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में हुए छात्रों की गूंज श्रृंखला के तहत ही इंदौर में भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरुआत कंसर्ट से

होगी। इसके बाद राहुल गांधी मध्य प्रदेश और देश के युवाओं से जुड़े मुद्दों पर प्रस्तुति देंगे। फिर युवाओं और राहुल गांधी के बीच सीधे सवाल-जवाब होंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर चर्चा करने शनिवार को राहुल गांधी के सहायक केवी बैजू इंदौर पहुंचे। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी व अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। सूत्रों के अनुसार, आयोजन में प्रस्तुति देने के लिए कोई बड़ा गायक या संगीत समूह भी आ सकता है।

इसका नाम दिल्ली से तय किया जाएगा। बैठक के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने निगम आयुक्त को पत्र लिखकर चार दिनों के लिए नेहरू स्टेडियम आरक्षित करने की मांग की है।

म्यांमार के प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी मलयेशिया में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच दहशत

नेय्पीडा, एजेंसी। मोहिदु जमान धार्मिक उन्नीउन और गृहयुद्ध से बचने के लिए दो साल पहले अवैध देश म्यांमार से भाग निकला था। करीब चार महीने तक जमीनी रास्ते और समंदर का सफर तय करने के बाद मलयेशिया पहुंचा। धान के खेत में काम ढूंढ और पारंपरिक मलय शैली में बने झोपड़ीनुमा घर में रहने लगा। लेकिन अब मलयेशिया के ऐसे प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी से रोहिंग्या

शरणार्थियों में भय का माहौल है। भाई मोहम्मद ने बताया कि मोहिदुजमान (35) ने मलयेशिया में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास शरणार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच, उसे कुछ समय पहले गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था। कुआलालंपुर में रहने वाले और शरणार्थी का दर्जा रखने वाले मोहम्मद (25) ने अपने

भाई के मामले पर कहा, म्यांमार वापस भेजने से तो बेहतर है कि हमें मलेेशिया में ही मार दिया जाए। वापस भेजे जाने पर वहां जाकर भी मारा ही जाएगा, क्योंकि म्यांमार का सैन्य शासन उसे लड़ने के लिए सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज देगा। मोहिदुजमान म्यांमार के करीब 10 हजार ऐसे प्रवासियों में शामिल हैं जिनके पास शरणार्थी होने कोई दस्तावेज नहीं है।

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण भूटो कोशी नदी की बाढ़ के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच ईशा फाउंडेशन ने सफाई देते हुए कहा है कि सदरु ने तत्काल तिब्बत से बाहर निकलने के बजाय वहां रुकने का फैसला इसलिए किया, ताकि फसे हुए 700 से अधिक सदस्यों की सुरक्षित वापसी का रास्ता सुनिश्चित किया जा सके।

सरकार के दबाव के बावजूद क्यों रुके सदरु: ईशा सेक्रेड वॉक्स की समन्वयक मां गंधीर ने एएनआई को बताया कि भारत सरकार की ओर से सदरु की तत्काल बाहर

निकलने का सुरक्षित रास्ता तैयार हो। सदरु हादसे वाली जगह यानी ग्राउंड जीरो तक पहुंचकर हर संभव मदद करना चाहते थे। इसी वजह से उन्होंने सड़क मार्ग से वहां जाने की इच्छा जताई थी।

77 यात्रियों की जानकायी जुटाना सबसे बड़ी चुनौती क्यों बनी: फाउंडेशन के अनुसार, हादसे के दौरान उसके 77 प्रतिभागी सीधे प्रभावित हुए थे। संगठन इन लोगों की स्थिति की जानकारी हासिल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा था। मां गंधीर ने कहा कि सबसे बड़ी मुश्किल यह थी कि संगठन की टीम हादसे वाली जगह तक सीधे नहीं पहुंच पा रही थी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर कटघरे में सद्धरु, तीर्थयात्रियों की हिफाजत पर फाउंडेशन की सफाई कया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण भूटो कोशी नदी की बाढ़ के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच ईशा फाउंडेशन ने सफाई देते हुए कहा है कि सदरु ने तत्काल तिब्बत से बाहर निकलने के बजाय वहां रुकने का फैसला इसलिए किया, ताकि फसे हुए 700 से अधिक सदस्यों की सुरक्षित वापसी का रास्ता सुनिश्चित किया जा सके।

सरकार के दबाव के बावजूद क्यों रुके सदरु: ईशा सेक्रेड वॉक्स की समन्वयक मां गंधीर ने एएनआई को बताया कि भारत सरकार की ओर से सदरु की तत्काल बाहर



निकलने के लिए दबाव था। हालांकि, सदरु की प्राथमिकता अलग थी। वह उस क्षेत्र के करीब जाना चाहते थे, जहां हादसा हुआ था, ताकि बचाव प्रयासों में मदद मिल सके। उनके मुताबिक, तिब्बत में ईशा फाउंडेशन के 700 से अधिक सदस्य मौजूद थे। ऐसे में सदरु चाहते थे कि उनके लिए भी तिब्बत से बाहर

निकलने का सुरक्षित रास्ता तैयार हो। सदरु हादसे वाली जगह यानी ग्राउंड जीरो तक पहुंचकर हर संभव मदद करना चाहते थे। इसी वजह से उन्होंने सड़क मार्ग से वहां जाने की इच्छा जताई थी।

77 यात्रियों की जानकायी जुटाना सबसे बड़ी चुनौती क्यों बनी: फाउंडेशन के अनुसार, हादसे के दौरान उसके 77 प्रतिभागी सीधे प्रभावित हुए थे। संगठन इन लोगों की स्थिति की जानकारी हासिल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा था। मां गंधीर ने कहा कि सबसे बड़ी मुश्किल यह थी कि संगठन की टीम हादसे वाली जगह तक सीधे नहीं पहुंच पा रही थी।

अमेरिका में फिर गोलीबारी: साउथ कैरोलिना के पार्क में फायरिंग; एक पुलिस अधिकारी की मौत, दूसरा घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के साउथ कैरोलिना राज्य के कोलंबिया शहर में एक पार्क में हुई फायरिंग में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई, जबकि दूसरा अधिकारी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध हमलावर की भी मौत हो गई है। कोलंबिया पुलिस विभाग के प्रमुख डब्ल्यूएच स्किप होलब्रुक ने इस घटना की पुष्टि की। होलब्रुक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह घटना शहर के हेजलवुड रोड स्थित साउथईस्ट पार्क में हुई। दो पुलिस अधिकारी घरेलू विवाद की सूचना मिलने के बाद वहां पहुंचे थे, तभी गोलीबारी हो गई।

पुलिस ने क्या बताया: कोलंबिया पुलिस विभाग के अनुसार, 29 वर्षीय क्रिस डीलोग इयूटी के दौरान गोली लगने से मारे गए। इसके अलावा, दूसरे अधिकारी डेविड डाइमॉक भी गोली लगने से घायल हो गए। हालांकि उनकी हालत स्थिर बताई गई है। शनिवार शाम आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में होलब्रुक ने कहा, 'हम ऐसी दुखद परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं जिसकी शायद कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।' पुलिस ने बताया कि स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12 बजे तक घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया था। जांच जारी रहने के कारण कानून-व्यवस्था एजेंसियों ने लोगों से उस इलाके से दूर रहने की अपील की।

इससे पहले 1974 में गई थी पुलिसकर्म की जान: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कोलंबिया में इयूटी के दौरान गोली लगने से शहीद होने वाले आखिरी पुलिस अधिकारी लेफ्टिनेंट फिलिप जॉर्ज श्लाटेर थे, जिनकी 25 जुलाई 1974 को मौत हुई थी। यानी इसके बाद 50 साल से भी अधिक समय तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया था। इस महीने की शुरुआत में भी अमेरिका के केंटकी राज्य के लेक्सिंगटन शहर में एक पार्क में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और चार अन्य लोग घायल हुए थे।

पुलिस ने फुटेज कब्जे में ली

बच्चे के पिता की शिकायत पर पुलिस टीम ने स्कूल पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले लिया है। पीड़ित बच्चे का जीटीबी अस्पताल में मेडिकल कराने के बाद उसकी काउंसिलिंग भी कराई गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं। परिवार का आरोप है कि घटना सामने आने के बावजूद स्कूल प्रशासन अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय बच्चे की ही गलतियां गिमाने में लगा रहा। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपों की जांच में जुटी है।

वे कैसे स्कूल : टॉयलेट जाने से भी डर रहा था मासूम

पुलिस के अनुसार, बच्चा पिछले कुछ दिनों से स्कूल और यहां तक कि टॉयलेट जाने से भी डर रहा था। उसके कान में लगातार ददं था और वह रात में टीक से सो नहीं पा रहा था। परिजनों ने उसे डॉक्टर को दिखाया, तो जांच में दोनों कान के पर्दों में सूजन मिली। डॉक्टर ने पिटाई से घोट की बात परिजनों को बताई। इसके बाद परिवार को स्कूल में बच्चे से दुर्व्यवहार का शक हुआ। पिता ने बच्चे से जानकारी लेने की कोशिश की, पर वह इतना डरा हुआ था कि कुछ स्पष्ट नहीं बता सका। इसके बाद पिता स्कूल पहुंचे और प्रिंसिपल से सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग की। फुटेज के लिए मांगे 1,500 रुपये : परिवार का आरोप है कि स्कूल ने पहले कैमरे खराब होने की बात कहकर टालने की कोशिश की। बाद में फुटेज देने के बदले पिता से 1,500 रुपये मांगे गए। कुछ फुटेज में बच्चे को कान पकड़कर घसीटने, कुर्सी से बांधकर पीटने और लात मारने के दृश्य दिखे। बच्चा का लंब घीनने व निजी अंगों से छेड़छाड़ का फुटेज भी परिवार ने देखा। परिजनों ने पूरी फुटेज मांगी तो स्कूल ने मना कर दिया।

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति के साथ रक्षाबंधन मनाने का मिला अवसर

मीना सिंह की उपलब्धि से सीधी और मध्यप्रदेश का बढ़ा गौरव, राष्ट्रीय साहित्यिक प्रतियोगिताओं में लगातार हासिल किए पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराने वाली एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय टंसार की छात्रा मीना सिंह ने जिले और मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मीना को देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलने और राष्ट्रपति भवन में उनके साथ रक्षाबंधन मनाने का ऐतिहासिक अवसर मिला 28 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित विशेष रक्षाबंधन कार्यक्रम में मीना ने सहभागिता की। ग्राम बहेराहा, गोपद बनास निवासी छोटे लाल सिंह और प्रभावती सिंह की पुत्री मीना वर्तमान में कक्षा 9वीं की छात्रा हैं। वर्ष 2023 में कक्षा 6वीं में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय टंसार में प्रवेश लेने के बाद उन्होंने पढ़ाई के साथ साहित्यिक और वाचन



गतिविधियों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

पढ़ाई में भी हासिल किया

शानदार प्रदर्शन: मीना की शैक्षणिक उपलब्धियां भी उल्लेखनीय हैं। कक्षा 8वीं में उन्होंने 600 में से 563 अंक हासिल किए, जो 93.83 प्रतिशत रहे इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया

25 में ओडिशा में आयोजित काव्य पाठ प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान हासिल किया इसके बाद वर्ष 2025-26 में आंध्रप्रदेश में आयोजित एनईएसटीएस राष्ट्रीय साहित्यिक प्रतियोगिता में हिंदी भाषण विधा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया इस तरह मीना ने लगातार दो वर्षों तक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन: मीना की उपलब्धियों का एक महत्वपूर्ण पड़ाव उनका वर्ष 2026 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन भी है उन्हें कला एवं संस्कृति की वाचन एवं साहित्यिक श्रेणी में विद्यालय स्तर से नामांकित किया गया है उनकी उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले

विद्यार्थियों को यदि उचित अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बना सकते हैं।

राष्ट्रपति भवन का अनुभव
बना यादगार: राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल होना मीना के लिए अब तक की उपलब्धियों में विशेष स्थान रखता है देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करने और उनके साथ रक्षाबंधन मनाने का अवसर उनके परिवार और विद्यालय के साथ पूरे सीधी जिले के लिए गौरव का विषय है मीना ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर मेहनत से यह साबित किया है कि छोटे गांवों की बेटियां भी बड़े सपने देख सकती हैं और मेहनत के बल पर उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा सकती हैं उनकी उपलब्धि जिले के विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी संदेश है।

चित्रकूट में बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड

सतना जिला अध्यक्ष उदित तिवारी ने प्रभावित परिवारों के बीच बांटी खाद्यान्न सामग्री, आगे भी राहत कार्य जारी रखने का भरोसा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। लगातार बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण चित्रकूट क्षेत्र के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है बाढ़ से अनेक परिवार प्रभावित हुए हैं और उनके सामने भोजन, पेयजल तथा रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की समस्या खड़ी हो गई है ऐसे कठिन समय में कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड ने प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए राहत एवं सेवा कार्य शुरू किया है इसी क्रम में सतना कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष उदित तिवारी और किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव आशुतोष द्विवेदी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। दोनों ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्यान्न एवं आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया।

पीड़ित परिवारों से जाना
हाल: राहत कार्य के दौरान

कार्यकर्ताओं ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से उनकी जरूरतों की जानकारी ली। लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील भी की गई कार्यकर्ताओं ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है उदित तिवारी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावित लोगों के बीच खड़ा है और जरूरतमंद परिवारों तक हरसंभव सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रहा है उन्होंने कहा, ‘मुश्किल समय में ईंसानियत की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। ‘ उनके अनुसार, राहत सामग्री का वितरण केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि संकट में फंसे परिवारों के साथ खड़े होने और उन्हें मानसिक संबल देने का भी प्रयास है।

आगे भी जारी रहेगा

राहत अभियान: उदित तिवारी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संगठन की ओर से राहत एवं सेवा कार्य आगे भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों और सामाजिक संगठनों से भी आपदा की इस घड़ी में आगे आकर जरूरतमंद परिवारों की मदद करने की अपील की उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को भोजन और जरूरी सामग्री उपलब्ध कराने के साथ उनकी सुरक्षा भी प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यकर्ताओं ने प्रभावित लोगों से अपील की कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में जोखिम न लें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

स्थानीय लोगों ने सराहा

प्रयास: राहत सामग्री वितरण के दौरान चिंतन नामदेव, सुरेन्द्र कुमार साहू, रितेश विश्वकर्मा, विशाल चतुर्वेदी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रभावित परिवारों तक पहुंचकर उनकी आवश्यकताओं को समझने का प्रयास किया।

सेमरा-पटना कला के पास मिली अज्ञात महिला, हाथ पर लिखा है ‘सरोज’



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। तहसील बिरहंछपुर क्षेत्र के ग्रमसेमर और पटना कला के पास एक अज्ञात महिला मिलने से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है महिला अपनी पहचान से जुड़े स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही है। वह अपना नाम, गांव और निवास का पता बताने में असमर्थ है, जिसके चलते अभी तक उसके परिजनों का पता नहीं चल सका है स्थानीय लोगों द्वारा महिला की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। महिला के हाथ पर ‘सरोज’ नाम लिखा हुआ दिखाई दे रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह नाम उसकी पहचान तक पहुंचने में महत्वपूर्ण सुगा साबित हो सकता है।

फोटे-वीडियो से पहचान करने का प्रयास: महिला की पहचान के लिए उसकी फोटे और वीडियो स्थानीय स्तर पर साझा कर जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है पुलिस और स्थानीय



लोगों की कोशिश है कि जल्द से जल्द महिला के परिजनों या परिचितों का पता लगाया जा सके बताया गया है कि यदि किसी व्यक्ति ने इस महिला को पहले देखा है, उसे पहचानता है या उसके संबंध में कोई जानकारी रखता है तो वह तत्काल सेमरापुर् या पटना पुलिस को सूचना दे महिला के संबंध में छोटे से छोटे जानकारी भी उसके परिवार तक पहुंचाने में मददगार हो सकती है। स्थानीय स्तर पर आमजन से अपील की गई है कि महिला की पहचान करने के उद्देश्य से समाचार के साथ उपलब्ध उसकी फोटे और वीडियो को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं सोशल मीडिया और स्थानीय समूहों में जानकारी साझा होने से महिला के परिजनों का पता लगाने में मदद मिल सकती है।

भाजपा किसान मोर्चा मनाएगा बलराम जन्मोत्सव :2 सितंबर को हर मंडल में होंगे कार्यक्रम, नेताओं ने किया मंथन

मीडिया ऑडीटर, मऊरांज (निप्र)। मऊरांज स्थित भाजपा कार्यालय में रविवार को भाजपा किसान मोर्चा के नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों की बैठक हुई इसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी ने की बैठक में संगठन को पंचायत और बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा केंद्र व ग्रन्थ संस्कार की जनकल्याणकारी योजनाओं को किसानों व आमजन तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई बैठक में भाजपा कार्यालय मंत्री भरत पाण्डेय भी विशेष रूप से उपस्थित रहे जिलाध्यक्ष त्रिपाठी ने नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों को संगठन की आगामी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का मार्गदर्शन दिया उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को किसान मोर्चा से जोड़ने पर जोर दिया और कहा कि मजबूत संगठन के लिए प्रत्येक बूथ तक सक्रिय कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है आगामी 2 सितंबर को प्रत्येक मंडल में आयोजित होने वाले बलराम जन्मोत्सव की तैयारियों पर भी बैठक में चर्चा की गई। पदाधिकारियों को इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए इस दौरान किसानों के बीच सरकार की योजनाओं और किसान हितैषी नीतियों की जानकारी पहुंचाने पर भी विशेष जोर दिया गया बैठक में शाहपुर मंडल अध्यक्ष रमेश चतुर्वेदी, खटखरी से शिवमणि तिवारी, हनुमान से प्रसांत शुक्ला, पिपराही से केशरी पटेल, नईगाढ़ी से रमकेशलाश कुलवाहा, देवतालाब से रामबहोर पटेल, तमरी से रमकिशोर मिश्रा, देरा से शेषमणि मिश्रा और रजुगनागढ़ से कुंवर बहादुर सिंह सहित अन्य मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता कैलाश मिश्रा, अमरेश पाण्डेय (सरपंच, सलैया) और रामभिलाश द्विवेदी (सोशल मीडिया प्रभारी, तमरी मंडल) भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक का समापन ‘सशक्त संगठन, सक्रिय कार्यकर्ता और हर बूथ तक किसान मोर्चा’ के संकल्प के साथ हुआ, जिसमें संगठन की और मजबूत करने पर बल दिया गया।

कक्षा 10वीं के शिक्षकों के प्रशिक्षण में 891 शिक्षक हुए प्रशिक्षित, बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए प्रभावी रणनीतियों पर हुआ मंथन



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शिक्षण की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम में सुधार के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 24, 25 एवं 27 अगस्त को टाटा कॉलेज, सीधी में कक्षा 10वीं में अध्यापन कराने वाले शिक्षकों का एक दिवसीय विषयवार प्रशिक्षण

आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषय के कुल 891 शिक्षक शामिल हुए। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों एवं मास्टर ट्रेनर्स द्वारा शिक्षकों को नई एवं प्रभावी शिक्षण तकनीकों, कठिन प्रश्नों को सरल तरीके से समझाने, विद्यार्थियों को परीक्षा की बेहतर तैयारी कराने तथा ब्लूप्रिंट एवं अनसॉल्व्ड पेपर के माध्यम से अधिक से अधिक अंक प्राप्त कराने की रणनीतियों की

जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों की विषयगत एवं अध्यापन क्षमता को और अधिक प्रभावी बनाकर विद्यार्थियों की समझ मजबूत करना तथा जिले के परीक्षा परिणामों में निरंतर सुधार लाना रहा उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शंभुनाथ त्रिपाठी ने विषय विशेषज्ञ शिक्षकों से चर्चा कर उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। एडीपीसी चंद्र प्रताप तिवारी, पीएम सुरहट के प्राचार्य अशोक तिवारी एवं अमर बहादुर सिंह परिहार पूरे प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

छह विषयों में 891 शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण: एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने बताया कि प्रशिक्षण में विषयवार हिंदी के 144, अंग्रेजी के 158, संस्कृत के 142, विज्ञान के 153, गणित के 163 तथा सामाजिक विज्ञान के 131 शिक्षक शामिल हुए। इस प्रकार कुल 891 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने

बताया कि प्रशिक्षण केवल विषय शिक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यालयों को अधिक सक्रिय, नवाचारी एवं विद्यार्थी केंद्रित बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी जोर: प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए श्रम्प एवं छम्पू कोचिंग, प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय को क्रियाशील बनाने, विद्यार्थी विज्ञान मंथन यात्रा, भारत इन्वीट-2026, ग्रीन ओलंपियाड, प्रार्थना सभा की गतिविधियों एवं पूर्व छात्र सम्मेलन जैसे विषयों की जानकारी शिक्षकों को दी गई इसके साथ ही विद्यार्थियों के ड्राइविंग लाइसेंस, कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के बिज कोर्स तथा हार्टफुर्लेस निबंध प्रतियोगिता के अंतर्गत मेरी अनुमति के बगैर मुझे कोई आहत नहीं कर सकता विषय पर भी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया

सिंगरौली के देवसर-बरगवां मार्ग पर हादसा, दोनों लापता; NH-39 के खाखन पुल पर पानी आने से यातायात रोका

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते नदी-नालों और पुल-पुलियों का जलस्तर बढ़ गया है। रविवार को जिले में बारिश के बीच दो घटनाओं ने प्रशासन और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी देवसर-बरगवां मार्ग पर खाक पुलिया पार करते समय बाइक सवार दंपती तेज पानी के बहाव में बह गया। दोनों के लापता होने की जानकारी सामने आई है और उनकी तलाश जारी है वहीं, सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर खाखन पुल के ऊपर पानी पहुंचने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों की आवाजाही रोक दी जानकारी के अनुसार दंपती

बाइक से देवसर से बरगवां की ओर जा रहा था। इसी दौरान खाक पुलिया पर पानी का तेज बहाव होने के बावजूद वे पुलिया पार करने का प्रयास कर रहे थे तेज बहाव के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दोनों बाइक समेत पानी में बह गए घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर बचाव की कोशिश शुरू की। पुलिस को भी सूचना दी गई घटनास्थल पर एक महिला दिखाई देने की बात सामने आई, लेकिन बाद में उसका पता नहीं चल सका। दोनों की तलाश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं तेज बहाव और लगातार बारिश के कारण राहत



एवं बचाव कार्य में भी परेशानी आ रही है। पुलिस और स्थानीय लोगों की ओर से पानी में बहे दंपती की तलाश की जा रही है। फिलहाल दोनों की पहचान और उनके संबंध में विस्तृत जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी है। लगातार बारिश के कारण सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर स्थित

खाखन पुल के ऊपर भी पानी पहुंच गया स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल पुल से वाहनों की आवाजाही रोक दी यातायात बंद होने के बाद हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई यात्रियों और वाहन चालकों को काफी देर तक मार्ग खुलने का इंतजार करना पड़ा।

शिकायत पर एसडीएम ने चेकडैम का किया निरीक्षण

पड़वारी नाला पांड पहुंचकर ली वस्तुस्थिति की जानकारी, आदिवासी बालक आश्रम शाला छिंदहा टोला का भी किया निरीक्षण



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पड़वारी नाला पांड में चेकडैम से संबंधित प्राप्त शिकायत को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है।

शिकायत की वास्तविक स्थिति जानने के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंजौली आकाश अग्रवाल, आईएएस ने मौके पर

पहुंचकर चेकडैम का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल का बारीकी से अवलोकन करते हुए चेकडैम की वर्तमान स्थिति, निर्माण कार्य तथा आसपास की परिस्थितियों की जानकारी ली निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों से चेकडैम को लेकर प्राप्त शिकायत के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद स्थिति का परीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए एसडीएम अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चेकडैम एवं उसके आसपास की स्थिति पर आवश्यक निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि जर्नलि से जुड़े विषयों में प्रशासन द्वारा

प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जानी चाहिए। शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और मौके की वास्तविक स्थिति के आधार पर आवश्यक कदम उठाए जाएं।

मौके पर अधिकारियों से ली जानकारी: निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने चेकडैम से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की उन्होंने स्थल की स्थिति को देखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा संबंधित विभागीय अमले को अपने स्तर पर निगरानी बनाए रखने के लिए कहा प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद चेकडैम से संबंधित शिकायत के निराकरण की दिशा में

आगे की प्रक्रिया की उम्मीद है अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्थल से संबंधित आवश्यक तथ्यों और परिस्थितियों का परीक्षण करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

आश्रम शाला का भी किया निरीक्षण: चेकडैम के निरीक्षण के बाद एसडीएम आकाश अग्रवाल ने आदिवासी बालक आश्रम शाला छिंदहा टोला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रम शाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की एसडीएम ने आश्रम शाला में विद्यार्थियों के रहने, पढ़ाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली।

6 सितंबर से कृष्णलीला के साथ शुरू होगी भव्य उत्सवों की श्रृंखला, हिन्दू धर्म परिषद ने बनाई आयोजन प्रबंध समिति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हिन्दू धर्म परिषद की ओर से आगामी महौनों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सवों की भव्य श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इसकी शुरुआत 6 सितंबर से मानस भवन में होने वाली कृष्णलीला से होगी। इसके बाद 22 सितंबर से गणेशोत्सव, 17 अक्टूबर से पदमधर पार्क में नवदुर्गा गरबा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार नवदुर्गा महोत्सव के दौरान गरबा ड्रेस मॉडलिंग शो करने की तैयारियां भी चल रही हैं आयोजकों का कहना है कि धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे शहरवासियों को मनोरंजन के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिल सके उत्सवों की श्रृंखला का एक प्रमुख आयोजन 11 नवंबर को

वहीं 17 अक्टूबर से पदमधर पार्क में नवदुर्गा गरबा महोत्सव आयोजित होगा आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए पार्क में बड़ पंडल तैयार करने और कलाकारों के लिए आकर्षक मंच बनाने की योजना है हिन्दू धर्म परिषद के संयोजक सुमित मांजवानी ने बताया कि गणेश महोत्सव के दौरान 24 सितंबर को कवि सम्मेलन के साथ भारतीय परिधान मॉडलिंग शो आयोजित करने की योजना बताई जा रही है इसी प्रकार नवदुर्गा महोत्सव के दौरान गरबा ड्रेस मॉडलिंग शो करने की तैयारियां भी चल रही हैं आयोजकों का कहना है कि धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे शहरवासियों को मनोरंजन के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिल सके उत्सवों की श्रृंखला का एक प्रमुख आयोजन 11 नवंबर को

होने वाला रीवा दीपोत्सव-2026 रहेगा। इस अवसर पर पंचमख में बीहर नदी की आस्ती और दीपदान का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि विभिन्न कार्यक्रमों में शहर के गणमाध्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा आयोजन की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी की सहमति से अध्यक्ष ऋषि शंकर मिश्रा ने आयोजन प्रबंध समिति का गठन किया है। समिति में परिषद के सह संयोजक उमेश कुशवाहा, संस्त्रक विजय मोहन तिवारी, संजय तिवारी मुनु, अवधेश राजेश, जगन्नाथ साहू, इंजीनियर वास्तव वास्तव, एडवोकेट केदार गुप्ता, राकेश अग्रवाल, अविराज, पीयूषेन्द्र त्रिवेदी, डॉ. विनोद तिवारी और अक्वीश शर्मा सहित कुल 12 सदस्य शामिल किए गए हैं।

दुष्प्रचार का सहारा

संपादकीय

राहुल गांधी ने संविधान और आरएसएस के बीच लड़ाई का आरोप लगाते हुए अनुसूचित जातियों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया। लंबे समय से भाजपा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कठघरे में खड़े करते आ रहे राहुल गांधी ने यह कहकर इस संगठन के खिलाफ अपने हमलों को नए सिरे से धार देने की ही कोशिश की कि देश में संविधान और आरएसएस के बीच लड़ाई है। राहुल गांधी की ओर से आरएसएस पर नए सिरे से हमला यही बताता है कि वे भाजपा से अपनी राजनीतिक

लड़ाई न जीत पाने की खीझ में उसके मातृ संगठन पर निशाना साधने में लगे हुए हैं। वे लगातार यह समझाने का प्रयत्न कर रहे हैं कि भाजपा और आरएसएस संविधान का आदर नहीं करते और वे उसे खत्म करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने यह दुष्प्रचार पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के चार सौ पार के नारे के जवाब में शुरू किया था। यह सही है कि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों को आम चुनाव में इस दुष्प्रचार का चुनावी लाभ मिला, लेकिन उन्हें यह समझना होगा कि काठ की हांडी

बार-बार नहीं चढ़ती। संविधान की प्रति लहराकर कोई बात कहने से वह सच नहीं साबित हो जाती। चूंकि राहुल गांधी तथ्यों और तर्कों के स्थान पर दुष्प्रचार की राजनीति पर अधिक जोर देते हैं, इसीलिए उन्हें वैसी राजनीतिक सफलता नहीं मिल पा रही है, जिसकी वे अपेक्षा कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि वे और अधिक दुष्प्रचार की राजनीति

का सहारा लेने लगे हैं। राहुल गांधी ने संविधान और आरएसएस के बीच की लड़ाई के अपने आरोप को बल देने के लिए अनुसूचित जातियों पर अत्याचार और उनसे भेदभाव के मामलों का उल्लेख किया। ऐसा करते हुए उन्होंने यह संकेत करने की कोशिश की कि ये सारे काम भाजपा और आरएसएस के कारण हो रहे हैं। इससे यही पता चलता है कि वे न तो भाजपा की रीति-नीति से

परिचित हैं और न ही आरएसएस की विचारधारा से। यदि उन्होंने इस संगठन की कार्यप्रणाली को समझने की थोड़ी भी कोशिश की होती तो उन्हें पता चलता कि इसने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच जाकर कैसे कार्य किए हैं। इस संगठन के अनेक प्रकल्प तो अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के उत्थान के लिए ही चलाए जा रहे हैं। राहुल गांधी को यह भी पता होना चाहिए कि यदि भाजपा आज राजनीतिक रूप से कहीं अधिक सशक्त हो चुकी है तो इसका कारण

समाज के सभी वर्गों और विशेष रूप से अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों तक उसकी पहुंच है। राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस को अनुसूचित जाति विरोधी साबित करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उत्तराखंड दौरे के बाद उनके मंच के कथित शुद्धीकरण का जो मामला उठाया, वह इस तथ्य की अनदेखी को अधिक बयान करता है कि जिस संगठन ने यह काम किया, उसका भाजपा से कोई लेना-देना नहीं। स्पष्ट है कि तथ्यों को अपने हिसाब से मोड़ने से बात बनने वाली नहीं है।

कानून पढ़ने वाले छात्रों के निशाने पर मुख्य न्यायाधीश?

सनत जैन

भारत में न्यायपालिका को लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से देश की जनता केवल कानूनी फैसलों की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि निष्पक्षता, संवेदनशीलता और संविधान के मूल्यों की रक्षा की उम्मीद भी करती है। ऐसे में जब देश के प्रमुख राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी ही मुख्य न्यायाधीश की भूमिका और सार्वजनिक आचरण पर सवाल उठाने लेंगे, तब इसे केवल एक व्यक्ति के विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह विरोध न्यायपालिका और नई पीढ़ी के बीच पैदा हो रहे विश्वास के संकट का सबसे बड़ा संकेत है। इसी तरह से आम जनता के लिए अग्रा, सरकार और बड़े-बड़े लोगों के लिए न्यायपालिका की अलग भूमिका को लेकर पिछले कुछ वर्षों में यह विरोध बढ़ता हुआ दिख रहा है। आम लोगों के दिमाग में यह बात घर कर रही है, कि इस देश में दो तरह के कानून लागू हैं। एक अमीरों के लिए और दूसरा गरीबों के लिए। हाल के घटनाक्रम ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। हैदराबाद स्थित नल्सर्स यूनिवर्सिटी के सैकड़ों विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनाए जाने पर आपत्ति जताई। विद्यार्थियों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई से संबंधित मामलों की सुनवाई में वीडियो देखने से इनकार किए जाने को लेकर सवाल उठाए। इसके बाद बंगलुरु की प्रतिष्ठित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) में भी विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश तथा बार कार्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की प्रस्तावित उपस्थिति पर आपत्ति दर्ज कराई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 165 स्नातक विद्यार्थियों, 409 वर्तमान विद्यार्थियों और 128 पूर्व विद्यार्थियों ने इस संबंध में खुला पत्र जारी कर अपना विरोध दर्ज कराया। अंततः 2026 का दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया गया। यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों को डिग्रियां डाक से भेजना और स्वयं छात्रों को प्रदान करना शुरू कर दिया। यह घटना इसलिए असाधारण है, क्योंकि कानून के विद्यार्थी न्यायपालिका से बाहर के नहीं हैं। उन्हें लंबे समय तक कानून की पढ़ाई कर संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य, संवैधानिक संस्थाओं व लोकतंत्र के बारे में ज्ञान अर्जित किया है। यह छात्र न्याय प्रक्रिया को समझने वाले वर्ग के हैं। वे संविधान, मौलिक अधिकार, न्यायिक समीक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक स्वतंत्रता का ज्ञान हासिल किया है। यदि यही विद्यार्थी शांतिपूर्ण और संस्थागत तरीके से किसी न्यायिक पदाधिकारी के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करते हैं, तो लोकतंत्र में इसे सुनना चाहिए, मनन कुमार मिश्रा ने बार कार्सिल की ओर से विरोध को दबाने का जो प्रयास किया था, उनका भी इन छात्रों ने विरोध किया। मुख्य न्यायाधीश की ‘कॉकरोच’ टिप्पणी पर भी युवाओं के बीच व्यापक प्रतिक्रिया हुई है। मई में एक सुनवाई के दौरान उन्होंने कुछ ऐसे युवाओं की तुलना ‘कॉकरोच’ से की थी, जो कानून के पेशे में रोजगार न मिलने के बाद मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई गतिविधियों के माध्यम से व्यवस्था पर हमला करते हैं। बाद में मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया, कि उनकी टिप्पणी फजी डिग्री के आधार पर पेशे में आने वाले लोगों के संदर्भ में थी, समूचे भारतीय युवाओं के लिए नहीं। मुख्य न्यायाधीश के इन शब्दों का लोकतंत्र में प्रभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना शब्दों का उद्देश्य। युवाओं ने उस टिप्पणी को जिस तरह ग्रहण किया, वह अपने आप में बदलाव का एक बड़ा संकेत है। इसी प्रतिक्रिया से ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ जैसा व्या्यात्मक युवा आंदोलन भी देश में उभरा। अब यह देश भर में बड़ी तेजी के साथ फैल गया है। युवा पीढ़ी अपने अधिकारों को लेकर सजग हुई है। सबसे बड़ा सवाल मुख्य न्यायाधीश के विरोध का नहीं है, सवाल यह है क्या, न्यायपालिका के प्रति असहमति व्यक्त करने की लोकतांत्रिक जगह बची रहेगी? यदि कानून के कॉलेज के छात्रों के बीच में सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और बार कार्सिल के किसी नियंत्र, टिप्पणी या प्रक्रिया से असहमत हैं, ऐसी स्थिति में असहमति का जवाब तर्क, संवाद और संविधान के दायरे में होना चाहिए।

अमरेश द्विवेदी

इसी कारण जलडमरूमध्य केवल भौगोलिक संरचनाएँ नहीं हैं बल्कि वे वैश्विक शक्ति-संतुलन के केंद्र भी बन गए हैं। इनके आसपास होने वाला युद्ध, राजनीतिक तनाव, समुद्री सीमा विवाद, नाकेबंदी या जहाजों पर हमले पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। 1. होर्मुज जलडमरूमध्य: ऊर्जा सुरक्षा का केंद्रहोर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और आंगे अरब सागर से जोड़ता है। इसके आसपास ईरान और ओमान स्थित हैं तथा संयुक्त अरब अमीरात भी निकटवर्ती क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। होर्मुज का सबसे बड़ा महत्व वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ा है। फारस की खाड़ी के तेल और गैस उत्पादक देशों से निकलने वाले बड़े पैमाने के ऊर्जा निर्यात के लिए यह प्रमुख समुद्री मार्ग है। ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव, ईरान के परमाणु कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय संघर्षों के कारण होर्मुज बार-बार अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बना है। ईरान द्वारा कभी-कभी इस मार्ग को बाधित करने की चेतावनी देना भी वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता पैदा करता है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं है; इसका सीधा संबंध भारत, चीन, जापान और यूरोप की ऊर्जा सुरक्षा से भी है। 2. बाब-अल-मंदेब : लाल सागर का संकटबाब-अल-मंदेब लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसके एक ओर यमन तथा दूसरी ओर अफ्रीका का जिबूती और इरिट्रिया क्षेत्र स्थित है। यह मार्ग यूरोप और एशिया के बीच समुद्री व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से जहाज लाल सागर और स्वेज नहर की दिशा में जाते हैं। यमन के गृहयुद्ध और हूती आंदोलन के कारण इस क्षेत्र की सुरक्षा लंबे समय से चिंता का विषय रही है। जहाजों पर हमलों और सुरक्षा जोखिमों के कारण कई वाणिज्यिक जहाजों को वैकल्पिक लंबे मार्गों का उपयोग करना पड़ा है। इसका परिणाम यह हुआ कि यूरोप-एशिया व्यापार की लागत और यात्रा समय बढ़ सकता है। इसलिए बाब-अल-मंदेब यह दिखाता है कि किसी छोटे से समुद्री चोकपॉइंट में अस्थिरता वैश्विक सप्लआई श्रृंखला को कैसे प्रभावित कर सकती है। 3. ताइवान जलडमरूमध्य : चीन और ताइवान का तनावताइवान जलडमरूमध्य चीन के मुख्य भूभाग और ताइवान के बीच

स्थित है। यह वर्तमान विश्व राजनीति के सबसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में से एक है। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान अपनी अलग राजनीतिक व्यवस्था के साथ स्वयं शासित है। अमेरिका ताइवान के साथ अनौपचारिक संबंध और सुरक्षा सहयोग बनाए रखता है। इस क्षेत्र में चीनी सैन्य अभ्यास, ताइवान की सुरक्षा और अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियाँ तनाव को बढ़ाती हैं। यदि यहां गंभीर सैन्य संघर्ष होता है, तो इसका प्रभाव केवल पूर्वी एशिया तक



सीमित नहीं रहेगा। ताइवान वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए ताइवान जलडमरूमध्य में संघर्ष से तकनीकी उद्योग, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। 4. मलक्का जलडमरूमध्य: व्यापार और सुरक्षामलक्का जलडमरूमध्य मलय प्रायद्वीप और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के बीच स्थित है। यह हिंद महासागर और प्रशांत क्षेत्र को जोड़ने वाले सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और अन्य पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है। बड़ी मात्रा में ऊर्जा और व्यापारिक वस्तुएँ इस मार्ग कि होकर गुजरती हैं। मलक्का में वर्तमान में होर्मुज या बाब-अल-मंदेब जैसी प्रत्यक्ष युद्ध स्थिति नहीं है, लेकिन यहां समुद्री डकैती, चोकरपाइंट में अस्थिरता, दुर्घटनाएँ और संभावित सैन्य प्रतिस्पर्धा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ पैदा करती हैं। चीन की ‘मलक्का का धर्मसंकट’ की जाइवान इसी चिंता से जुड़ी है कि संकट की स्थिति में उसकी ऊर्जा आपूर्ति इस

इस क्षेत्र को यूरोप की सुरक्षा और समुद्री रणनीति में महत्वपूर्ण बनाता है। यह जलडमरूमध्य यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्र के बीच समुद्री संपर्क का महत्वपूर्ण मार्ग है। साथ ही नाटो और अन्य शक्तियों के लिए भी इसका सैन्य महत्व है। 6. बॉस्फोरस और डार्डनेल्स: रूस-यूक्रेन संदर्भतुर्की के बॉस्फोरस और डार्डनेल्स जलडमरूमध्य काला सागर को भूमध्य क्षेत्र से जोड़ते हैं। इनके बीच मारमारा सागर स्थित है। इन जलमार्गों का महत्व रूस, यूक्रेन, तुर्की और अन्य काला सागर देशों के लिए बहुत अधिक है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के संदर्भ में इनका रणनीतिक महत्व और बढ़ गया है। तुर्की इन जलडमरूमध्यों पर नियंत्रण रखता है और मोटो कन्वेंशन के तहत युद्धपोतों की आवाजाही के संबंध में विशेष अधिकार रखता है। इस कारण तुर्की की नीति काला सागरकी सामरिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है। इन जलडमरूमध्यों से अनाज, ऊर्जा और अन्य वस्तुओं का व्यापार भी जुड़ा है। इसलिए इनका महत्व सैन्य के साथ-साथ आर्थिक भी है।

7. केचं जलडमरूमध्य: रूस-यूक्रेन विवादकेचं जलडमरूमध्य, काला सागर और अजोव सागर को जोड़ता है। यह रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के संदर्भ में महत्वपूर्ण बन गया है। क्रीमिया के रूस द्वारा 2014 में अधिग्रहण के बाद इस क्षेत्र की राजनीतिक और सैन्य संवेदनशीलता बढ़ गई। रूस ने केचं ब्रिज का निर्माण करके क्षेत्र में अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत की। इस जलडमरूमध्य पर नियंत्रण का संबंध समुद्री यातायात, सैन्य गतिविधियों और यूक्रेन के बंदरगाहों तक पहुंच से जुड़ा है। इसलिए यह क्षेत्र रूस-यूक्रेन संघर्ष में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बिंदु रहा है। 8. पाल्क जलडमरूमध्य : भारत और श्रीलंकापाल्क जलडमरूमध्य भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है। यह क्षेत्र अपेक्षाकृत उथला है और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों का क्षेत्र रहा है। यहां प्रमुख समस्या सैन्य संघर्ष के बजाय मछली पकड़ने, समुद्री सीमा और मछुआरों की गिरफ्तारी से जुड़ी है। भारतीय और श्रीलंकाई मछुआरों के बीच सीमा पार करने तथा समुद्री संसाधनों के उपयोग को लेकर समय-समय पर विवाद उत्पन्न होते हैं। भारत और श्रीलंका के लिए चुनौती यह है कि स्थानीय लोगों की आजीविका और समुद्री पर्यावरण की रक्षा करते हुए सीमा संबंधी विवादों का शांतिपूर्ण समाधान किया जाए। 9. लुजोन जलडमरूमध्य : इंडो-पैसिफिक प्रतिस्पर्धालुजोन जलडमरूमध्य ताइवान और फिलीपींस के बीच स्थित है। यह दक्षिण चीन सागर और पश्चिमी प्रशांत के बीच रणनीतिक संपर्क प्रदान करता है। चीन, ताइवान, फिलीपींस और अमेरिका की इंडो-पैसिफिकरणनीतियों के कारण यह क्षेत्र तेजी से महत्वपूर्ण हुआ है। फिलीपींस की अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी और दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती गतिविधियां इस क्षेत्र के सामरिक महत्व को बढ़ाती हैं। भविष्य में ताइवान संकट की स्थिति में लुजोन जलडमरूमध्य सैन्य आवाजाही और समुद्री रणनीति के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। 10. बेरिंग जलडमरूमध्य : अमेरिका और रूस बेरिंग जलडमरूमध्य अमेरिका के अलास्का और रूस के सुदूर पूर्व के बीच स्थित है। यह प्रशांत और आर्कटिक क्षेत्रों को जोड़ता है। आर्कटिक में बर्फ पिघलने और नए समुद्री मार्गों की संभावनाओं के कारण बेरिंग जलडमरूमध्य का महत्व बढ़ रहा है।

अमेरिका और रूस के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में यह क्षेत्र भविष्य में और अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। जलडमरूमध्यों में संघर्ष का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ता है। यदि किसी महत्वपूर्ण संकरे मार्ग पर जहाजों की आवाजाही बाधित होती है तो जहाजों को लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ सकता है। इससे परिवहन लागत बढ़ती है। तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। बीमा लागत बढ़ सकती है। खाद्य और औद्योगिक वस्तुओं को कीमत प्रभावित हो सकती है। वैश्विक सप्लआई श्रृंखला में ढेरी हो सकती है। ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। भारत जैसे देशों के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की अव्यवस्था समुद्री व्यापार और ऊर्जा आयात पर काफी निर्भर है। जलडमरूमध्य से जुड़े विवादों का समाधान केवल सैन्य शक्ति से नहीं किया जा सकता। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति, समुद्री सुरक्षा सहयोग और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अधिसमय (यूएनसीएलओएस) समुद्री क्षेत्रों और नौवहन से जुड़े अनेक अधिकारों और दायित्वों का कानूनी ढांचा प्रदान करता है। देशों को समुद्री सीमा विवादों का समाधान बताचीत और अंतरराष्ट्रीय कानून के माध्यम से करना चाहिए। साथ ही, महत्वपूर्ण संकरे मार्ग के लिए वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग, रणनीतिक भंडार और मजबूत समुद्री सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है। दुनिया के जलडमरूमध्य आकार में छोटे हो सकते हैं लेकिन उनका महत्व वैश्विक स्तर पर बहुत बड़ा है। होर्मुज ऊर्जा सुरक्षा, बाब-अल-मंदेब वैश्विक व्यापार, ताइवान जलडमरूमध्य महाशक्ति प्रतिस्पर्धा, मलक्का व्यापारिक आपूर्ति, जिब्राल्टर यूरोप-अफ्रीका संपर्क और बॉस्फोरस-डार्डनेल्स, काला सागर भू-राजनीति के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। 21वीं सदी में समुद्री शक्ति और आर्थिक शक्ति का संबंध और गहरा होता जा रहा है। इसलिए जलडमरूमध्यों पर नियंत्रण, स्वतंत्र नौवहन और समुद्री सुरक्षा आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख मुद्दे बने रहेंगे। अतः विश्व शांति और आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है कि इन रणनीतिक समुद्री मार्गों को संघर्ष के क्षेत्र के बजाय सहयोग के गलियारे के रूप में विकसित किया जाए।

नेपाल की बाढ़ और हमारी जल-दृष्टि

उसकी अर्थव्यवस्था और ऊर्जा व्यवस्था का प्रमुख आधार है। इस बाढ़ से अनेक जलविद्युत परियोजनाएँ, परेषण लाइनें और अन्य ऊर्जा ढाँचे प्रभावित हुए हैं। प्रांरिक आकलनों में लगभग 430 मेगावाट बिजली क्षमता पर असर बताया गया



है। इससे सवाल उठता है , क्या पहाड़ी नदियों को केवल बिजली पैदा करने वाली मशीन के रूप में देखना उचित है? नदी कोई स्थिर पाइपलाइन नहीं है। वह पानी के साथ गाद और चट्टनें लेकर चलती है, अपना पाट बदलती है, बाढ़ के मैदान बनाती है और अंततः समुद्र तक पहुँचती है। उसे बाँधकर या उसके प्राकृतिक जल-फैलाव क्षेत्र में निर्माण करके हम उसका व्यवहार बदल सकते हैं, उसकी ऊर्जा समाप्त

नहीं कर सकते। पानी को रास्ता चाहिए। इसीलिए किसी एक परियोजना का अलग-अलग पर्यावरणीय आकलन पर्याप्त नहीं। जब एक ही नदी घाटी में सड़क, सुरंग, बाँध, जलविद्युत परियोजना, खनन, पर्यटन और बस्तियाँ विकसित हों तो पूरे नदी-बेसिन पर पड़ने वाले असरों का आकलन करना मुश्किल है। इसलिए हमें नदी-बेसिन के अंदरूनी तंत्र को समझना होगा। नदी के तटों पर जो कुछ भी बनाया जा रहा है, वह नदी के तटों को नुकसान पहुँचा रहा है। नदी के तटों पर जो कुछ भी बनाया जा रहा है, वह नदी के तटों को नुकसान पहुँचा रहा है। नदी के तटों पर जो कुछ भी बनाया जा रहा है, वह नदी के तटों को नुकसान पहुँचा रहा है।

पर उनके सम्मिलित प्रभाव का अध्ययन जरूरी है। इसे क्यूयुलेटिव इम्पैक्ट असेसमेंट अर्थात सम्मिलित प्रभाव आकलन कहा जाता है। भविष्य का पर्यावरणीय मूल्यांकन प्रोजेक्ट-बाय-प्रोजेक्ट नहीं,बेसिन-बाय-बेसिन होना चाहिए। यहाँ चीन का संदर्भ भी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाण प्राकृतिक जल-फैलाव क्षेत्र में निर्माण करके हम उसका व्यवहार बदल सकते हैं, उसकी ऊर्जा समाप्त

का कारण प्राकृतिक हिमनद-चट्टान धंसाव और उससे बनी जल-मलबा धारा माना जा रहा है। लेकिन नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में सड़क, व्यापार, पर्यटन और ऊर्जा से जुड़ी तेजी से बढ़ती अवसंरचना ने, ऐसे संवेदनशील भूभाग में मानवीय और आर्थिक उपस्थिति बढ़ाई है। रासुवागढी-केरुण सीमा गलियारा इसका उदाहरण है। रासुवागढी जलविद्युत परियोजना में चीनी कंपनी की भागीदारी भी रही है। इसलिए चीन को बाढ़ का कारण बताना तथ्यात्मक रूप से गलत होगा, लेकिन चीन और नेपाल की सीमापार परियोजनाओं को आपदा-जोखिम के संदर्भ में देखने की आवश्यकता से इनकार भी नहीं किया जा सकता। सवाल किसी एक देश की परियोजना का नहीं, हिमालयी भूगोल की वहन क्षमता का है। बाँधों को भी इसी संतुलित दृष्टि से देखना चाहिए। वे जलविद्युत, बिजली और बाढ़ नियंत्रण के उपयोगी साधन हैं, लेकिन अचूक समाधान नहीं। चीन का श्री गॉर्जेंस बाँध बाढ़ नियंत्रण और बिजली उत्पादन का बड़ा उदाहरण है, वहीं विस्फाान, तलछट, जैव विविधता और नदी-तंत्र पर उसके प्रभावों ने गंभीर पर्यावरणीय बहाने भी पैदा की है। बड़े जलाशयों के संदर्भ में जलाशय-प्रेरित भूकंपीयता का वैज्ञानिक अध्ययन भी किया जाता है, लेकिन हर बाँध को भूकंप का कारण मानना उचित नहीं। दुनिया में बाढ़ प्रबंधन की सोच भी बदल रही है। नीदरलैंड का रूम फॉर द रिवर कार्यक्रम नदी को हर हाल में बाँधने के बजाय उसे बाढ़ के समय फैलने के लिए सुस्थित स्थान देने पर

आधारित है। बांग्लादेश ने तटबंधों के साथ मैंग्रोव, जलनिकासी, चक्रवात आश्रय और पूर्व चेतावनी प्रणालियों को जोड़ा है। संदेश स्पष्ट है,इंजीनियरिंग और पारिस्थितिकी एक-दूसरे के विकल्प नहीं, सहयोगी हो सकते हैं। नेपाल और हिमालय के लिए भी समाधान केवल अधिक कंक्रीट नहीं है। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में जंगल और आर्द्रभूमि बचाना, ढलानों को स्थिर रखना, बाढ़ के मैदानों को अतिक्रमण से मुक्त रखना, तलछट का वैज्ञानिक प्रबंधन, हिमनदों और झीलों की निरंतर निगरानी, उपग्रह आधारित पूर्व चेतावनी और स्थानीय समुदायों की तैयारी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नेपाल की यह त्रासदी इसलिए केवल एक देश की आपदा नहीं, हमारी विकास-दृष्टि के सामने प्रश्न है। सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, सीमापार व्यापार चाहिए, जलविद्युत भी चाहिए। लेकिन विकास का अर्थ प्रकृति को परास्त करना नहीं हो सकता। हमें पहाड़ की वहन क्षमता, नदी के स्वभाव और बदलती जलवायु, तीनों को साथ साथ पढ़ना होगा। हमने नदियों को सदियों तक माता कहा, फिर आधुनिक विकास में उन्हें पानी की पाइपलाइन, बिजली की टरबाइन और निर्माण-स्थल समझ लिया। अब समय है कि नदी को फिर एक जीवित पारिस्थितिक तंत्र की तरह देखा जाए। नदी को कुछ समय के लिए रोका जा सकता है, उसका रास्ता बदला जा सकता है, उसकी प्रकृति नहीं बदली जा सकती। नदी अपना नैसर्गिक रास्ता भूलती नहीं है।हम ही उसका रास्ता भूल जाते हैं।

बाढ़ को हम अक्सर प्रकृति का प्रकोप मानकर आगे बढ़ जाते हैं, जबकि कई बार वह हमारे विकास मॉडल का आईना भी होती है। वह बताती है कि हमने नदी, पहाड़ और जल-प्रवाह की प्राकृतिक व्यवस्था को कितना समझा और उसे अपने अनुकूल मोड़ने की कितनी कोशिश की। 126 अगस्त 2026 को नेपाल-चीन सीमा के निकट आई भयावह आकस्मिक बाढ़ इसी बड़े प्रश्न को सामने लाती है। रासुवा जिले के तिमुरे और स्याफुबेसी क्षेत्र से लेकर भोटेकोशी और त्रिशूली नदी की घाटियों तक बर्फ, चट्टान, मलबे और पानी की प्रचंड धारा ने बस्तियों, पुलों, सड़कों और बिजली परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुँचाया। चीन के तिब्बत क्षेत्र का गियरोंग भी प्रभावित हुआ। राहत और खोज अभियान जारी हैं तथा मृतकों और लापता लोगों के आँकड़े लगातार बदल रहे हैं।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

यह सामान्य मानसूनी बाढ़ नहीं थी। प्रांरिक वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार ऊँचाई पर हिमनद और चट्टानें टूटकर नीचे गिरीं। उनसे निकला मलबा नदी में पहुँचा और जल-मलबे की अत्यंत शक्तिशाली धारा घाटी की ओर दौड़ पड़ी। इसलिए इसे केवल बाढ़ कहना पर्याप्त नहीं; यह हिमालय की अस्थिर होती भौगोलिक और जलवायवीय परिस्थितियों का संयुक्त संकेत है। हिमनदों का पीछे हटना, नई हिमनद झीलें का बनना और उन्हें रोकने वाली बर्फ-मलबे की प्राकृतिक दीवारों का अस्थिर होना हिमालय के बढ़ते जोखिम हैं। ऐसी झील अचानक टूटे तो उसे ग्लेशियरल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी जीएलओएफ कहते हैं। इस घटना को सीधे जीएलओएफ कहना अभी वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि बदलता हिमनद भूगोल हिमालयी आपदा-जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में खड़ी घाटियाँ, भूस्खलन, तीव्र मानसूनी वर्षा और भूकंपीय खतरा इस जोखिम को और जटिल बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन को इस आपदा का अकेला कारण मानना भी उतना ही अधूरा होगा। प्राकृतिक खतरा तब बड़ी आपदा बनता है जब उसके रास्ते में मनुष्य की बस्तियाँ और अवसंरचना खड़ी हो। प्रकृति खतरा पैदा करती है, लेकिन हमारी बसावट और निर्माण उसकी विनाशक क्षमता तय करते हैं। नेपाल के लिए यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जलविद्युत

18 साल की सेवा के बाद भी भविष्य अधर में, अतिथि शिक्षकों ने शिवपुरी में किया प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन, 2023 की घोषणाएं लागू करने की मांग; नियमितीकरण के लिए विशेष परीक्षा कराने की मांग



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अतिथि शिक्षकों ने रविवार को शिवपुरी जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरना देकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर 2 सितंबर 2023 की

अतिथि शिक्षक महापंचायत में की गई घोषणाओं को लागू करने की मांग की गई अतिथि शिक्षकों का कहना है कि वे पिछले करीब 18 वर्षों से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं इसके बावजूद उनके भविष्य को लेकर अब तक कोई ठोस और स्थायी निर्णय नहीं लिया गया है शिक्षकों ने नियमितीकरण को अपनी प्रमुख मांग बताते हुए कहा कि वर्षों से सेवा देने के बाद भी उन्हें अस्थायी व्यवस्था में काम करना पड़ रहा है।

कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह भी प्रदर्शन में पहुंचे: प्रदर्शन के दौरान पोहरी से कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह भी तिरंगा लेकर अतिथि शिक्षकों के साथ शामिल हुए उन्होंने शिक्षकों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार पर घोषणाओं को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। विधायक ने कहा कि अतिथि शिक्षकों की मांगों को लेकर उनकी लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक जारी

रहेगी अतिथि शिक्षक सुंदर मुदगल ने कहा कि यदि अतिथि शिक्षक योग्य नहीं हैं तो उन्हें इतने लंबे समय तक सरकारी स्कूलों में सेवाएं देने का अवसर क्यों दिया गया। उन्होंने कहा कि 2 सितंबर 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की ओर से नियमितीकरण और अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित करने से जुड़ी घोषणाएं की गई थीं, लेकिन अब तक उनका अपेक्षित लाभ शिक्षकों को नहीं मिला है मुदगल ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भी अतिथि शिक्षकों को दिए गए आश्वासनों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया और इसे शिक्षकों के साथ छलावा बताया।

विशेष विभागीय परीक्षा से नियमितीकरण की मांग: आम अतिथि शिक्षक संघ, जिला शिवपुरी के बैनर तले सौंपे गए ज्ञापन में शिक्षकों ने गुरुजी की तर्ज पर विशेष विभागीय परीक्षा

आयोजित करने की मांग रखी उनका कहना है कि लंबे समय से सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे अतिथि शिक्षकों को इस परीक्षा के माध्यम से नियमित किए जाने का अवसर दिया जाना चाहिए इसके अलावा शिक्षकों ने मांग की कि शैक्षणिक सत्र के बीच उन्हें सेवा से बाहर नहीं किया जाए और पूरे 12 महीने का सेवा अनुबंध दिया जाए। उन्होंने शिक्षक चयन परीक्षा में अतिथि शिक्षकों के कार्य अनुभव के आधार पर प्रत्येक वर्ष के लिए बोनस अंक देने की मांग भी रखी।

मानदेय का समय पर भुगतान और दोबारा अवसर की मांग: अतिथि शिक्षकों ने वर्ग-1, वर्ग-2 और वर्ग-3 के मानदेय में की गई वृद्धि का पूरा भुगतान समय पर किए जाने की मांग की उनका कहना है कि मानदेय में वृद्धि के बावजूद भुगतान व्यवस्था को लेकर शिक्षकों को पेशानी का सामना करना पड़ता है।

शिवपुरी में मिलाद जुलूस की कथित रील पर विवाद , विहिप-बजरंग दल ने PM मोदी समेत हिंदू संगठनों को धमकी का आरोप लगाया; FIR दर्ज



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के रन्नीद थांना क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर में मिलाद-उन-नबी के जुलूस के दौरान हुई आरोप है कि डोजे के सामने एक युवक द्वारा बनाई गई इस रील में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट की शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इस रील को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल किया गया था शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि इस तरह के वीडियो के प्रसार से सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है। विहिप और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने पुलिस से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की और कथित वीडियो की पेनड्राइव भी पुलिस को सौंपी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सतीश वास्तव ने बताया कि यह घटना 26 अगस्त को ग्राम मोहम्मदपुर में मिलाद-उन-नबी के जुलूस के दौरान हुई आरोप है कि डोजे के सामने एक युवक द्वारा बनाई गई इस रील में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट की शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इस रील को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल किया गया था शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि इस तरह के वीडियो के प्रसार से सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है। विहिप और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने पुलिस से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की और कथित वीडियो की पेनड्राइव भी पुलिस को सौंपी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

तेज बारिश में धंधेरा गांव की पुलिया बही, ग्रामीणों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

शिवपुरी में भुजरियां विसर्जन के लिए जा रहीं महिलाओं को एक दिन पहले ही पुलिया पार करने से रोका था, तेज बहाव में रविवार को ढहा रास्ता

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के बदरवास जनपद क्षेत्र के धंधेरा गांव में तेज बारिश के बाद पानी के तेज बहाव में सड़क पर बनी पुलिया रविवार को पूरी तरह बह गई पुलिया की हालत पहले से खराब होने के कारण ग्रामीणों ने शनिवार को ही खतरे की आशंका जताते हुए लोगों को यहां से गुजरने से रोक दिया था। इसी दौरान भुजरियां विसर्जन के लिए जा रही महिलाओं को भी ग्रामीणों ने पुलिया पार नहीं करने दी ग्रामीणों की सतर्कता के चलते संभावित बड़ा हादसा टल गया जानकारी के मुताबिक शनिवार को क्षेत्र में हुई तेज बारिश के बाद बामीर और इचोनिया गांवों की ओर से पानी का बहाव धंधेरा की तरफ आने लगा पानी का दबाव बढ़ने के साथ सड़क पर बनी पुलिया के आसपास



कटाव शुरू हो गया था पुलिया की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी। रविवार को लगातार पानी आने और तेज बहाव के कारण पुलिया का बड़ा हिस्सा पानी की चपेट में आ गया और देखते ही देखते पूरी पुलिया बह गई।

महिलाओं को पुलिया पार करने से रोका: भुजरियां विसर्जन के लिए महिलाएं इसी

रास्ते से होकर जाती थीं। शनिवार को जब महिलाएं विसर्जन के लिए पुलिया की ओर पहुंचीं, तब ग्रामीणों ने उन्हें पुलिया की खराब हालत और पानी के तेज बहाव का हवाला देते हुए आगे जाने से रोक दिया और ग्रामीणों के इस फैसले से महिलाएं सुरक्षित रहीं और संभावित दुर्घटना टल गई ग्रामीणों का कहना है कि यदि शनिवार को महिलाओं को

पुलिया पार करने की अनुमति दे दी जाती और रविवार को इसी तरह पुलिया बह जाती, तो गंभीर हादसा हो सकता था ग्रामीणों ने समय रहते स्थिति की भांपकर लोगों को रोक दिया।

2009 में हुआ था पुलिया का निर्माण: धंधेरा निवासी एवं कोलारस कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बलभद्र सिंह धाकड़ ने बताया कि पुलिया का निर्माण वर्ष 2009 में उनके पिता के सरपंच कार्यकाल के दौरान ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग द्वारा कराया गया था। उनके अनुसार, पुलिया कुछ वर्षों से ही क्षतिग्रस्त हालत में थी और इसकी मजबूती को लेकर ग्रामीण लगातार चिंतित थे उन्होंने बताया कि पुलिया से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का नियमित आवागमन होता है।

शिवपुरी में कोतवाली पुलिस की कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार; स्मैक और वाहन समेत 10.60 लाख रुपए का माल जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने स्मैक की तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 18.08 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 60 हजार रुपए बताई गई है इसके अलावा पुलिस ने स्मैक की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बुलेरो भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार स्मैक और वाहन की कुल कीमत करीब 10 लाख 60 हजार रुपए है।

ग्रीन व्यू होटल के पास खड़ा था युवक: कोतवाली थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि 29 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि



एक युवक बुलेरो वाहन से ग्रीन व्यू होटल के सामने कच्चे रास्ते पर खड़ा है और स्मैक बेचने की फिस्क में है सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की मौके पर पुलिस को बुलेरो क्रमांक एमपी33-सी-9169 खड़ी मिली वाहन में एक युवक बैठा हुआ था। पुलिस ने उसे वाहन से नीचे उतारकर पूछताछ की युवक ने अपना नाम महेश गुर्जर

(25), पिता जगदीश गुर्जर, निवासी छिन्नरी, करैरा, शिवपुरी बताया।

जॉस की जेब से बरामद हुई स्मैक: पुलिस ने युवक की तलाशी ली तो उसकी जॉस की दायीं जेब से पाददर्शी पन्नी मिली पुलिस के अनुसार पन्नी के अंदर 18.08 ग्राम स्मैक बरामद हुई बरामद स्मैक की कीमत करीब 3.60 लाख रुपए आंकी गई है।

शिवपुरी रेलवे स्टेशन पर हादसा CCTV में कैद, एसएसआई वीरेंद्र कुमार तिवारी की तत्परता से टला बड़ा हादसा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी रेलवे स्टेशन पर शनिवार को चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश एक महिला के लिए जानलेवा साबित हो सकती थी ट्रेन में सवार होने के प्रयास में 36 वर्षीय महिला का संतुलन बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंस गई मौके पर तैनात आरपीएफ के एसएसआई वीरेंद्र कुमार तिवारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महिला को पकड़कर प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया। उनकी तत्परता से महिला की जान बच गई पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई,



जिसका वीडियो रविवार को सामने आया है जानकारी के अनुसार, पुपुनी शिवपुरी निवासी निर्मला ठाकुर (36) रक्षाबंधन के अवसर पर शनिवार सुबह करीब 10 बजे

अशोकनगर जाने के लिए शिवपुरी रेलवे स्टेशन पहुंची थीं। उन्हें ग्वालिपूर-बीना ट्रेन से यात्रा करनी थी ट्रेन के चलने के दौरान उन्होंने उसमें चढ़ने का प्रयास किया। इसी

दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन तथा प्लेटफॉर्म के बीच जा फंसी।

एसएसआई ने दौड़कर महिला को खींचा: महिला के गिरते ही स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया। कुछ दूरी पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ एसएसआई वीरेंद्र कुमार तिवारी की नजर महिला पर पड़ी उन्होंने बिना समय गंवाए उसकी ओर दौड़ लगाई और महिला को पकड़कर प्लेटफॉर्म की तरफ खींच लिया एसएसआई तिवारी के मुताबिक, उन्हें पहले ही अंदेशा हो गया था कि महिला चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर

रही है। इसी वजह से वह उसकी ओर बढ़ रहे थे महिला के ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसेते ही उन्होंने तत्काल उसे पकड़ लिया और सुरक्षित बाहर निकाल लिया पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। वीडियो सामने आने के बाद एसएसआई की तत्परता की सराहना की जा रही है इस घटना ने एक बार फिर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत को सामने रखा है आरपीएफ एसएसआई वीरेंद्र कुमार तिवारी ने यात्रियों से अपील की कि चलती ट्रेन में कभी भी चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें।

एमसीबी जिले में 953.5 मिमी औसत बारिश, कोटाडोल में सबसे ज्यादा वर्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। र जिले में इस मानसून सीजन में अब तक अच्छी बारिश दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से 30 अगस्त 2026 तक कुल 953.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त वर्षा संबंधी आंकड़ों के अनुसार जिले की विभिन्न तहसीलों में बारिश का वितरण अलग-अलग रहा है। जारी आंकड़ों के मुताबिक कोटाडोल तहसील में सबसे अधिक 1243.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वहीं खड़गावां तहसील में सबसे कम 704.3 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई बारिश के आंकड़ों में तहसीलों के बीच काफी अंतर देखने को मिला है तहसीलवार वर्षा के आंकड़ों के अनुसार मनेन्द्रगढ़ में 993.6 मिलीमीटर, चिरमिरी में 920.9 मिलीमीटर, केल्लहारी में 747.3 मिलीमीटर तथा भरतपुर में 1111.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वहीं कोटाडोल तहसील में कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार 1190.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जिले में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में भरतपुर और कोटाडोल तहसील शामिल हैं, जबकि खड़गावां और केल्लहारी में तुलनात्मक रूप से कम बारिश दर्ज हुई है लगातार हो रही बारिश का असर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों और जलस्रोतों पर भी देखने को मिल रहा है प्रशासन द्वारा तहसीलवार वर्षा के आंकड़े दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे जिले में मानसून की स्थिति का आकलन किया जा सके बारिश के इस आंकड़े से जिले में अब तक हुई मानसूनी गतिविधियों की स्थिति स्पष्ट होती है मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 1 जून से 30 अगस्त तक 953.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज होना मानसून की सक्रियता को दर्शाता है। हालांकि तहसीलवार वर्षा में अंतर होने के कारण कुछ क्षेत्रों में बारिश अपेक्षकृत अधिक, जबकि कुछ इलाकों में कम रही है।

धरमकुंडी ब्रिज का 90 डिग्री मोड़ बना हादसों का कारण, एक साल में 50 से ज्यादा दुर्घटनाओं का दावा



मीडिया ऑडीटर,सिवनी (निप्र)। मालवा, 30 अगस्त 2026। सिवनी मालवा तहसील के ग्राम धरमकुंडी स्थित ब्रिज पर बना करीब 90 डिग्री का तोखा मोड़ वाहन चालकों के

लिए परेशानी और दुर्घटनाओं का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मोड़ पर आए दिन हादसे होते हैं। अचानक आने वाले इस तीखे मोड़ के कारण वाहन चालकों

को सामने से आने वाले वाहनों का सही अनुमान लगाने में परेशानी होती है तेज रफ्तार वाहनों और रात के समय स्थिति और अधिक जोखिमपूर्ण हो जाती है ग्रामीणों के अनुसार,

मोड़ की बनावट के कारण कई बार वाहन चालक नियंत्रण खो देते हैं स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से इस स्थान का तकनीकी निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा के स्थायी इंतजाम करने की मांग की है।

एक साल में 50 से अधिक हादसों का दावा: स्थानीय निवासियों के मुताबिक, धरमकुंडी ब्रिज के इस खतरनाक मोड़ पर पिछले कुछ महीनों में दो दर्जन से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। जनपद सदस्य शेरसिंह दरबार ने दावा किया कि पिछले एक वर्ष के दौरान इस स्थान पर 50 से अधिक हादसे हुए हैं जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है ग्रामीणों का कहना है कि हादसों

के बावजूद सड़क की मूल संरचना में अपेक्षित सुधार नहीं किया गया है मोड़ पर वाहनों की गति नियंत्रित करने और सामने से आने वाले वाहनों को पहले से देखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण समस्या बनी हुई है हालांकि, दुर्घटनाओं की संख्या और उनमें हुई मौतों के संबंध में आधिकारिक आंकड़े सामने नहीं आए हैं ग्रामीणों द्वारा बताए गए आंकड़ों के आधार पर ही इस स्थान की गंभीरता सामने रखी जा रही है।

संकेतक और रिफ्लेक्टर लगाए गए, लेकिन ग्रामीण संतुष्ट नहीं: ग्रामीणों की मांग के बाद प्रशासन की ओर से मोड़ से पहले वाहन चालकों को सतर्क करने के लिए संकेतक

और रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं इनसे वाहन चालकों को आगे खतरनाक मोड़ होने की जानकारी मिलती है हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल संकेतक और रिफ्लेक्टर इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं उनका कहना है कि रात के समय दृश्यता कम होने और तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ऐसे में सड़क की बनावट और मोड़ को सुरक्षित बनाने के लिए तकनीकी स्तर पर सुधार की आवश्यकता है।

स्पीड ब्रेकर और सुरक्षा उपायों की मांग: ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से ब्रिज के 90 डिग्री के मोड़ का तत्काल निरीक्षण कराने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

15 साल से फरार 66 वर्षीय स्थाई वारंटी गिरफ्तार:वर्ष 2011 से फरार चल रहा था, पुलिस ने घर पर दबिश देकर पकड़ा



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की गोपालगंज थाना पुलिस ने शनिवार को 15 वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी घर पर ही छिपा था। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया है।पुलिस के अनुसार, वारंटी रफीक पिता अब्दुल सलाम उम्र 66 वर्ष निवासी हनुमान मंदिर के पास शनिचरी सागर के खिलाफ गोपालगंज थाने में वर्ष 1997 में मामला दर्ज हुआ था। उक्त मामले में न्यायालय ने 10 अगस्त 2011 को स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। वारंटी लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। इसी बीच मुखबिर से पुलिस को वारंटी रफीक के संबंध में सूचना मिली। उसके घर पर होना बताया गया। सूचना पर पुलिस टीम ने शनिचरी पहुंचकर घर पर दबिश दी। जहां रफीक मिला। जिसे पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया और थाने लाई। गोपालगंज थाना के एसआई नीरज जैन ने बताया कि 15 साल से फरार स्थाई वारंटी को उसके घर पर दबिश देकर पकड़ा है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

मंदसौर में 4 दिन से बारिश नहीं, धूप-उमस बढ़ी



मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में 26 अगस्त को शाम से बारिश का दौर थमा हुआ है। चार दिन से बारिश नहीं होने के कारण तेज धूप और उमस से लोग परेशान हैं। किसान फसलों में नमी की कमी को लेकर चिंतित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 सितंबर तक बारिश की गतिविधियां कमजोर रहेंगी। जबकि 2-3 सितंबर से जिले में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ बौछरें पड़ सकती हैं। 27, 28 और 29 को जिले में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। रविवार को भी मौसम साफ रहा। इस दौरान तापमान बढ़ने के साथ उमस भरी गर्मी रही।31 अगस्त को आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस दिन बारिश की संभावना कम है। 1 सितंबर को बादल और धूप का मिला-जुला असर रहने का अनुमान है। तापमान 23 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। बड़ी बारिश के संकेत फिलहाल कमजोर हैं। 2 सितंबर से मौसम में बदलाव के आसार हैं। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ बौछरें पड़ सकती हैं। 3 सितंबर को बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है। 4 सितंबर को भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। 5 सितंबर को मौसम सक्रिय रहने के संकेत हैं।

पिछले साल से 87.3 मिमी कम बारिश: इस मानसून सीजन में जिले में अब तक 588.0 मिमी (23.15 इंच) बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल 1 जून से 30 अगस्त तक 675.3 मिमी (26.59 इंच) बारिश हुई थी। इस तरह इस साल समान अवधि के मुकाबले 87.3 मिमी (3.44 इंच) कम बारिश हुई है।

बारिश के ब्रेक से खेतों की ऊपरी सतह की नमी कम: बारिश थमने के बाद तेज धूप और उमस से किसानों की चिंता बढ़े है। तीन-चार दिन से बारिश नहीं होने के कारण खेतों की ऊपरी सतह की नमी कम होने लगी है। इसका असर उन खेतों में ज्यादा हो सकता है, जहां पहले से मिट्टी में नमी कम है। सोयाबीन सहित खरीफ फसलों में लगातार गर्मी और नमी की कमी रहने पर पौधों की बड़वार प्रभावित हो सकती है। फूल और फलियां बनने की अवस्था में पानी की कमी से फसल पर असर पड़ने की आशंका रहती है।

इटारसी में 7 फीट लंबा सांप रसोई में घुसा:डिब्बों के पीछे दिखा इंडियन रैट स्नेक; वन विभाग ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। न्यू यार्ड डीजल शेड के पास गणेश नगर कॉलोनी में रविवार को एक घर की रसोई में करीब 7 फीट लंबा सांप घुसने से हड़कंप मच गया। महिला ने किचन में डिब्बों के पीछे सांप को देखा तो घबराकर बाहर निकलीं और बेटे को जानकारी दी। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। घर की महिला रविवार को किचन में काम करने पहुंची थीं। इसी दौरान उन्हें सेल्फ पर रखे डिब्बे हिलते हुए दिखाई दिए। पहले उन्हें लगा कि डिब्बों के पीछे कोई चूहा होगा। पास जाकर देखने पर वहां बड़ा सांप दिखाई दिया। सांप देखते ही महिला तुरंत किचन से बाहर निकल आई और अपने बेटे आशीष राजपूत को घटना की जानकारी दी।

सूचना पर पहुंची रेस्क्यू टीम: आशीष ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। वनपरिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर वन्यजीव अभिरक्षक



अभिजीत यादव और रेस्क्यूअर मोहित मेहरा मौके पर पहुंचे। टीम ने सावधानीपूर्वक सांप को पकड़ा और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। रेस्क्यू किया गया सांप करीब 7 फीट लंबा इंडियन

रैट स्नेक (घोड़ा पछड़ा) बताया गया है। यह गैर-विषैला सांप है। रेस्क्यू के बाद उसे वन क्षेत्र में सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। सांप घर की रसोई तक कैसे पहुंचा, इसका पता नहीं चल सका है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रमुख सचिव ने किया सीहोर जिले के खेल परिसरों का निरीक्षण



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह द्वारा शनिवार को सीहोर जिले का भ्रमण कर जिले में संचालित खेल प्रशिक्षण केंद्रों, खेल आয়োजनों तथा निर्मित एवं निर्माणाधीन खेल अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह ने चर्च ग्राउंड फुटबॉल स्टेडियम, इंडोर

स्टेडियम, बैडमिंटन हॉल एवं वेटलिफ्टिंग हॉल सहित विभिन्न खेल परिसरों का निरीक्षण किया। उन्होंने खेल सुविधाओं की व्यवस्थाओं एवं खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि

अर्पित की गई। प्रमुख सचिव ने खिलाड़ियों एवं खेल से जुड़े अधिकारियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए खेल गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जिले में खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस अवसर पर तहसीलदार एवं सीहोर अमित सिंह, संभागीय अधिकारी रुबिका दीवान सहित खेल विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रॉनिक सामान-बैटरियों से भरे चलते ट्रक में लगी आग

छतरपुर में ड्राइवर ने समय रहते वाहन रोका; 30 मिनट बाद दमकल पहुंची



छतरपुर। छतरपुर शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में देरी रोड के पास शनिवार देर रात इलेक्ट्रॉनिक सामान और बैटरियों से भरे एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। ड्राइवर की सूझबूझ और पुलिस-दमकल की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश पार्सिंग ट्रक क्रमांक क 85 थ्रु 9702 टीवी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैटरियों की खेप लेकर छतरपुर की ओर आ रहा था। देरी रोड के पास पहुंचते ही ट्रक के पिछले हिस्से से घना धुआं निकलने लगा, जो कुछ ही पलों में ऊंची लपटों में बदल गया। आग देखकर ड्राइवर ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को सड़क किनारे रोक दिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल-100 और फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को घटना की सूचना दी। 30 मिनट बाद दमकल वाहन पहुंचा सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस

मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल यातायात को नियंत्रित किया और आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया। लगभग 30 मिनट बाद दमकल वाहन भी मौके पर पहुंचा। दमकलकर्मियों ने ट्रक का पिछला गेट खोलकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। पुलिस और दमकल की टीम ने समय रहते आग पर काबू पाकर इसे पूरे कंटेनर में फैलने से रोक दिया। ट्रक के अंदर टीवी, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ बड़ी संख्या में बैटरियां रखी हुई थीं। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी को बताया जा रहा है। घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। पुलिस ने वाहन को सुरक्षित कर लिया है। ट्रक में लदे इलेक्ट्रॉनिक सामान और बैटरियों को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

● राखी मनाकर जा रहा था परिवार; पुलिस की मदद से राहगीरों ने निकाला

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। जावरा-उज्जैन रोड पर शनिवार दोपहर चलती बाइक में अचानक सांप घुस गया। बाइक पर एक पुरुष के साथ महिला और बच्ची भी सवार थे। सांप के बाइक में घुसने का पता चलते ही चालक ने समय रहते बाइक को सड़क किनारे रोक दिया और परिवार के साथ नीचे उतर गया। इसके बाद डायल-112 को सूचना दी गई। पुलिस ने राहगीरों की मदद से बाइक के इंजन साइड में घुसे सांप को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। समय रहते बाइक रुक जाने से बड़ा हादसा टल गया।

इंजन साइड से बाइक में घुसा सांप: बताया गया कि सांप बाइक के अंदर इंजन की तरफ से घुस गया था। चलती बाइक में सांप दिखाई देने के बाद चालक घबरा गया, लेकिन



मध्यदेश

■ रेस्क्यूअर की सुरक्षा

को लेकर बैठक:

वन विभाग के अनुसार, रिहायशी इलाकों के आसपास हरियाली और खुले स्थान होने के कारण सांप भोजन या सुरक्षित जगह की तलाश में घरों में प्रवेश कर सकते हैं। घटना के बाद कॉलोनी में भी सांप को लेकर चर्चा रही। वन विभाग ने सांपों का रेस्क्यू करने वालों को सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, इन निर्देशों का जमीन पर पूरी तरह पालन नहीं होने की बात सामने आई है। वनपरिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा ने बताया कि सभी रेस्क्यू करने वालों की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें रेस्क्यू के दौरान सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने और दुर्घटना से बचने के संबंध में विशेष निर्देश दिए जाएंगे।

बिना नंबर की क्रेटा में 73.72 लाख कैश मिले

रतलाम में युवक को कार समेत थाने लाए, मशीन से गिने नोट; बोला- सोना खरीदने आया था

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। मध्यप्रदेश के रतलाम के नामली थाना क्षेत्र में शनिवार शाम पुलिस ने बिना नंबर की क्रेटा कार से नोटों से भरा बोरा बरामद किया। कार में अकेले मौजूद युवक को कार और नकदी समेत नामली थाने लाया गया। यहां दो नोट गिन्ने की मशीनें बुलाकर रकम की गिनती की गई। बोरे में 73 लाख 72 हजार 500 रुपए नकद मिले। कार में जावरा के उमटपालिया निवासी मिजान (23), पिता रईस खान था।

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि यह रुपए उसके अपने हैं, जो जमीन बेचने के बाद मिले हैं। वह इन्हें लेकर रतलाम किसी काम से गया था और वापस गांव लौट रहा था। पूछताछ में यह बात भी सामने आई है कि वह रतलाम के एक बड़े ज्वेलर्स से सोना खरीदने के लिए नकदी लेकर आया था। हालांकि सौदा नहीं हो सका, जिसके बाद वह वापस अपने गांव जा रहा था। पुलिस युवक के बयान और नकदी के स्रोत की जांच कर रही है। युवक गांव में एक ढाबे का मालिक है। कार उसके भाई के नाम पर रजिस्टर्ड मिली।

सूचना मिली तो पंचेड़ फंटे पर रोकी कार: पुलिस का बिना नंबर की क्रेटा कार में बड़ी मात्रा में



जा रहा था। पुलिस युवक के बयान और नकदी के स्रोत की जांच कर रही है। युवक गांव में एक ढाबे का मालिक है। कार उसके भाई के नाम पर रजिस्टर्ड मिली।

सूचना मिली तो पंचेड़ फंटे पर रोकी कार: पुलिस का बिना नंबर की क्रेटा कार में बड़ी मात्रा में

खेत में पानी बहाने के विवाद में बुजुर्ग की हत्या



सागर,मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सागर की गढ़कोटा थाना पुलिस ने शनिवार शाम हत्या के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी के कब्जे से वारदात में उपयोग किया लोहे का पाइप और डंडा जब्त किया गया है। आरोपी ने खेत में पानी बहाने के विवाद में मारपीट कर बुजुर्ग की हत्या की थी। पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त को फरियादी ऊधम पिता मानकलाल रैकवार उम्र 35 वर्ष निवासी पांडेर ने थाना गढ़कोटा में शिकायत की। शिकायत में बताया कि खेत में पानी बहाने की बात को लेकर हुए विवाद में उसके चाचा मंझले उर्फ कन्हई रैकवार और भतीजे रमेश रैकवार ने उसके पिता मानकलाल रैकवार के साथ लोहे के पाइप व डंडे से मारपीट की। मारपीट में आई चोटों के कारण पिता मानकलाल की मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई।

व्यापारियों से दो नोट गिन्ने की मशीनें मंगाई गईं।

एएसपी बोले- जमीन बेचने के बाद मिले रुपए बताए: एएसपी राकेश पट्टे ने बताया कि कार चालक ने पूछताछ में कहा है कि वह अपने घर से रतलाम किसी काम के लिए रुपए लेकर गया था। उसने नकदी को जमीन बेचने के बाद मिले अपने रुपए बताया है। युवक से पूछताछ की जा रही है और नकदी से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। नोटों में 500 की 135 गड्डी, 200 की 15 गड्डी, 100 की 25 गड्डी और 500 के 5 नोट अलग से थे।

वकील और परिजन भी पहुंचे थाने: मामले की सूचना मिलने के बाद युवक के वकील और अन्य परिजन भी नामली थाने पहुंच गए हैं। पुलिस नकदी के स्रोत और युवक के दावों से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस ने आयरकर विभाग को भी इसकी सूचना दी है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान: स्कूल बैग पाकर बच्चों के खिले चेहरे, पढ़ाई के लिए लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शनिवार को कुरवाई ब्लॉक की 26 पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों के दौरान 26 पंचायतों की 83 बसाहटों में पहुंचे करीब 4000 बच्चों को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के प्रयासों से स्कूल बैग वितरित किए गए। नया स्कूल बैग पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल



उठे। उनकी मुस्कान और उत्साह देखते ही बन रहा था। शासन द्वारा कक्षा पहली से आठवीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें

उपलब्ध कराई जाती हैं, लेकिन स्कूल बैग का प्रावधान नहीं होने के कारण कई बच्चों को किताबें संभालकर स्कूल लाने-ले जाने में परेशानी होती थी। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने स्कूलों के भ्रमण के दौरान बच्चों की इस समस्या को महसूस किया और उनके लिए स्कूल बैग उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया। उनके अभिभावकों में भी प्रसन्नता का माहौल रहा।

तवानगर के जंगल में तेंदुए का मूवमेंट

ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग की टीम कर रही निगरानी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। तवानगर क्षेत्र के जंगल में इन दिनों बाघ की गतिविधियां देखी जा रही हैं। तेंदुए का एक वीडियो भी सामने आया है, जो दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। बाघ के लगातार मूवमेंट से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। वन विभाग के रेंजर अभिषेक शर्मा ने बताया कि तेंदुआ का मूवमेंट पहले चटुआ और तवानगर क्षेत्र में देखा गया था। कुछ दिन पहले इसे दौड़ी झुनकार क्षेत्र में भी देखा गया। यह पूरा इलाका जंगल से सटा हुआ है, जहां वन्यजीवों की आवाजाही सामान्य है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि वे अकेले जंगल या खेतों की ओर न जाएं। विशेषकर सुबह और शाम के समय अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। ग्रामीणों को समूह में ही खेतों और जंगल क्षेत्र में आने-जाने की हिदायत दी गई है। रेंजर अभिषेक शर्मा के अनुसार, तेंदुए की गतिविधियों पर वन विभाग की टीम लगातार नजर बनाए हुए है। ग्रामीणों को यह भी सलाह दी गई है कि बाघ दिखाई देने पर उसके करीब न जाएं और तत्काल वन विभाग को सूचित करें। तेंदुआ के मूवमेंट की जानकारी सामने आने के बाद जंगल से सटे गांवों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीण खेतों में काम करते समय और जंगल क्षेत्र से आवाजाही के दौरान विशेष सतर्कता बरत रहे हैं।



परिवार: बताया गया कि बाइक पर सवार महिला और बच्ची रक्षा बंधन पर्व मनाकर अपने गांव लौट रहे थे। परिवार के लोग बाइक से जावरा की ओर से उज्जैन रोड पर जा रहे थे। इसी दौरान चलती बाइक में सांप घुस गया। चालक ने समय रहते बाइक रोककर परिवार को नीचे उतार लिया।

सांप निकलने तक सड़क पर रुके वाहन: बाइक से निकलने के बाद सांप कुछ देर सड़क पर ही रहा। उसे देखने के बाद ट्रक समेत अन्य वाहन भी सड़क पर रुक गए। सांप के सड़क से हटकर किनारे जाने के बाद ही वाहनों की आवाजाही दोबारा शुरू हो सकी। समय पर बाइक रोकने और पुलिस की मदद से सांप को बाहर निकालने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

रक्षा बंधन मनाकर गांव लौट रहा था

लियोनेल मेसी के चार गोल

इंटर मियामी ने मॉन्ट्रियल को 7-1 से रौंदा



फ्लोरिडा (अमेरिका), एजेसी। : इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (MLS) में शानदार वापसी करते हुए मॉन्ट्रियल को 7-1 से करारी शिकस्त दी। टीम की इस बड़ी जीत के हीरो कप्तान लियोनेल मेसी रहे, जिन्होंने मुकाबले में चार गोल दागे। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांच मैचों से चले आ रहे अपने जीत के सूखे को भी खत्म कर दिया।वर्ल्ड कप फाइनल के बाद लीग मुकाबलों की बहाली के बाद इंटर मियामी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। टीम ने अपने पिछले पांच मैचों में चार मुकाबले हारवाए थे। हालांकि, शनिवार को फ्लोरिडा में मॉन्ट्रियल के खिलाफ मौजूदा MLS कप चैंपियन ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा।

कासेमिरो ने खोला खाता-इंटर मियामी के लिए ब्राजील के स्टार मिडफील्डर कासेमिरो ने 20वें मिनट में गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। उन्होंने हेड के जरिए गेंद को गोल में पहुंचाया। यह वर्ल्ड कप के बाद क्लब से जुड़ने के बाद इंटर मियामी के लिए कासेमिरो का पहला गोल था। हालांकि, मॉन्ट्रियल ने 37वें मिनट में वापसी करते हुए मुकाबले को 1-1

● **फ्री-किक से मेसी ने दिलाई बढ़त**- मॉन्ट्रियल की बराबरी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। इसके सिर्फ तीन मिनट बाद मेसी ने शानदार फ्री-किक के जरिए इंटर मियामी को फिर से बढ़त दिला दी। अर्जेंटीना के स्टार ने ऐसी लो कर्लिंग फ्री-किक मारी, जिसे मॉन्ट्रियल के गोलकीपर थॉमस गिलियर समझ नहीं सके। इंटर मियामी ने दूसरे हाफ में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। मेसी ने कई डिफेंडरों को छकाते हुए शानदार अंदाज में गेंद को गोल के निचले कोने में पहुंचाया और अपना दूसरा गोल पूरा किया।

● **मेसी ने असिस्ट कर सुआरेज को भी दिलाया गोल**- इसके बाद मेसी ने गोल करने के साथ-साथ अपने पुराने बार्सिलोना साथी लुइस सुआरेज को भी गोल का मौका दिया। मेसी ने बेहतरीन पास खेला, जिसे सुआरेज ने बिना किसी गलती के गोल में बदलकर स्कोर 4-1 कर दिया। मेसी ने पूरी की हैट्रिकमैच के 83वें मिनट में मेसी ने अपनी हैट्रिक पूरी कर ली।

से बराबर कर दिया। फैबियन हर्बस ने बॉक्स के बाहर से शानदार लो शॉट लगाकर गेंद को गोल के निचले कोने में पहुंचाया।

सिनसिनाटी ओपन में जल्दी बाहर होने से सकारात्मक दिखे जोकोविच

ओपन की तैयारी बेहतर होने की उम्मीद



न्यूयॉर्क, एजेसी। नोवाक जोकोविच को किसी टूर्नामेंट में जल्दी बाहर होना भले ही पसंद नहीं हो, लेकिन इस बार वह सिनसिनाटी ओपन में शुरुआती हार को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं। इस 39 वर्षीय दिग्गज ने कहा कि सिनसिनाटी में पहले ही दौर में बाहर होने से उन्हें यूएस ओपन की तैयारी के लिए करीब दो सप्ताह का अतिरिक्त समय मिला। 24 ग्रैंड स्लैम खिताब के रिकॉर्डधारी जोकोविच रविवार रात आर्थर एश स्टेडियम में 48वीं रैंकिंग वाले मारियानो नाओने के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच की नजर रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम और पांचवें यूएस ओपन खिताब पर है। उन्होंने हालांकि नाओने को हल्के में लेने से इनकार किया। जोकोविच ने कहा, 'देखते हैं मुकाबला कैसा रहता है। पिछले कुछ वर्षों में मेरे लिए शुरुआती मुकाबले काफी चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उम्मीद है कि मैं पहली बाधा पार कर आगे लय हासिल कर सकूंगा।' जोकोविच ने इस साल अब तक केवल 16 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है, जो एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 95 खिलाड़ियों में सबसे कम है। वह विंबलडन के सेमीफाइनल तक पहुंचे, जहां उन्हें यानिक सिनर से हार मिली। फ्रेंच ओपन में वह चौथे दौर में बाहर हुए, जबकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्काराज के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सिनसिनाटी ओपन में हार से पहले उन्होंने विंबलडन के बाद कोई मुकाबला नहीं खेला था। जोकोविच 20वीं बार यूएस ओपन में हिस्सा ले रहे हैं। वह इसके साथ ही पुरुष एकल में इस उपलब्धि को हासिल करने वाले जिमी कॉनर्स, आंद्रे अगसी और फेलिसियानो लोपेज की सूची में शामिल हो जाएंगे। जोकोविच ने कहा कि लंबे समय तक खेलना उनके करियर के शुरुआती दौर से ही लक्ष्य रहा है। 2005 में पदार्पण के बाद वह सिर्फ 2017 में यूएस ओपन में नहीं खेल पाए थे, जब कोहनी की चोट के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। उन्होंने 2011, 2015, 2018 और 2023 में यह खिताब जीता। जोकोविच ने याद किया कि उन्होंने 20 साल पहले अपना पहला यूएस ओपन मुकाबला गेल मोनाफिल्स के खिलाफ पांच सेट में खेला था।

जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर आया बड़ा अपडेट

प्रिंस यादव चयन के लिए फिट



नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रहेंब और ट्रेनिंग जारी रखे हुए हैं। बुमराह बाएं घुटने की समस्या से जूझ रहे हैं और इसी वजह से उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

रखा गया था। बुमराह ने ट्रेनिंग शुरू कर दी है और धीरे-धीरे अपनी ताकत पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उनकी वापसी की अभी कोई निश्चित तारीख सामने नहीं आई है। वह फिलहाल प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के पूरे वर्कलोड के लिए पूरी तरह तैयार नहीं माने जा रहे हैं।

● हार्दिक पंड्या भी CoE में कर रहे हैं ट्रेनिंग

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। क्वाड्रिसेप्स और पीठ की समस्या के बाद उन्हें पिंडली में भी परेशानी का सामना करना पड़ा था। हार्दिक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बुमराह और अन्य खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। हार्दिक ने इससे पहले वापसी से जुड़े जरूरी रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल पूरे कर लिए थे और अगस्त से सफेद गेंद के क्रिकेट के लिए उनकी उपलब्धता का अनुमान लगाया गया था। हालांकि, उनकी मौजूदा फिटनेस स्थिति को लेकर अभी कोई नया आधिकारिक अपडेट सामने नहीं आया है।

● प्रिंस यादव चोट से उबर

युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव चोट से उबर चुके हैं और आगामी टी20 टूर्नामेंट के लिए चयन के लिए उपलब्ध हैं। प्रिंस को जुलाई के आखिर में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में परेशानी हुई थी, जिसके चलते वह सीरीज के आखिरी मुकाबले से बाहर हो गए थे। दिल्ली के 24 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अब अपनी फिटनेस हासिल कर ली है। उनकी रिकवरी सामान्य प्रक्रिया के मुताबिक हुई है और उन्हें आगामी टूर्नामेंट के लिए चयन के लिहाज से फिट माना जा रहा है।

भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चुना अपना सबसे महान भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली, एजेसी। भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 16 खिलाड़ियों के नॉकआउट में सचिन तेंदुलकर को अब तक का सबसे महान भारतीय क्रिकेटर चुना। इसी के साथ उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी को लेकर चोचाने वाले फैसले भी लिए। क्रिकइन्फो के एक वीडियो में अश्विन ने राउंड ऑफ '16 में विजय हजारे, रोहित, हरभजन सिंह और सुनील गावस्कर के बजाय तेंदुलकर



विराट, कपिल देव और वीरेंद्र सहवाग को चुना। उन्होंने रवींद्र जडेजा के बजाय धोनी, विनू मांकड़ के बजाय राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले के बजाय जसप्रीत बुमराह और खुद के बजाय सौरव गांगुली को भी चुना।

● **सहवाग और बुमराह ने धोनी और विराट को हराया** - अश्विन ने क्वाटर फाइनल में गांगुली के बजाय तेंदुलकर और द्रविड़ के बजाय कपिल को चुना। इसके बाद उन्होंने दो बड़े उलटफेर किए जिसमें धोनी के बजाय सहवाग और विराट के बजाय बुमराह को चुना गया। इन फैसलों का मतलब था कि शानदार रिकॉर्ड के बावजूद धोनी और विराट बाहर हो गए। धोनी की कप्तानी में भारत ने तीनों बड़े ब्रूश्ट टूर्नामेंट जीते और टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया, जबकि विराट ने 28,000 से ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाए हैं और पांच ब्रूश्ट खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई है।

अश्विन ने सेमीफाइनल में सहवाग के बजाय तेंदुलकर और कपिल के बजाय बुमराह को चुना जिससे भारत के सबसे महान बैटिंग आइकन और आधुनिक दौर के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बीच फाइनल मुकाबला तय हुआ। तेंदुलकर ने फाइनल जीतकर अश्विन की लिस्ट में टॉप स्थान हासिल किया।

● **तेंदुलकर के बेजोड़ आंकड़े**-तेंदुलकर ने 22 साल से ज्यादा के करियर में 34 57 इंटरनेशनल रन बनाए, जो क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने रिकॉर्ड 200 टेस्ट मैच खेले, जिनमें 15,921 रन बनाए और 51 शतक जड़े। उनके नाम सबसे ज्यादा टेस्ट चौके (2,058) लगाने का रिकॉर्ड भी है, और वह 300 पारियों में 15,000 टेस्ट रन तक पहुंचने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। वनडे में तेंदुलकर ने 18,426 रन बनाए और 49 शतक लगाए। 1998 में उनके 1,894 रन और 9 शतक आज भी एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन और शतक के रिकॉर्ड हैं। सभी फॉर्मेट में तेंदुलकर के नाम करियर में सबसे ज्यादा रन, पचास, चौके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' (76 बार) के रिकॉर्ड हैं।

● **रविचंद्रन अश्विन का रिकॉर्ड**-अश्विन ने दिसंबर 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वे टेस्ट में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे; उन्होंने 106 मैचों में 537 विकेट लिए और उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले (619 विकेट) थे। अश्विन ने क्वाइड-बॉल फॉर्मेट में 181 मैच खेले और 228 विकेट लिए। उन्होंने 116 वनडे मैच खेले और 33.20 की औसत से 156 विकेट लिए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/25 रहा। उन्होंने 63 पारियों में 16.44 की औसत से 707 रन भी बनाए जिसमें एक अर्धशतक (65 रन) शामिल था। उन्होंने 65 अंशद्वु मैचों में 23.22 की औसत से 72 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/8 रहा। उन्होंने 19 पारियों में 26.28 की औसत से 184 रन भी बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 31 रहा। अश्विन सभी फॉर्मेट में 287 मैचों में 765 विकेट के साथ भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के तौर पर रिकार्डर हुए। उनसे आगे कुंबले (953 विकेट) थे। उन्होंने भारत के साथ 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। 2025 में अश्विन ने अपने इंडियन प्रीमियर लीग करियर को भी अलविदा कह दिया। इस बड़े टूर्नामेंट से उनके संन्यास लेने की खबर ने क्रिकेट जगत को चौंका दिया। अश्विन ने 2009 में अपना डेब्यू किया और कुल 221 IPL मैच खेले। उन्होंने 30.22 की औसत, 7.20 की इकॉनॉमी रेट और 25.2 की स्ट्राइक रेट से 187 विकेट लेकर इस अंशद्वु लीग में बेहतरीन स्पिनरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/34 रहा और उन्होंने एक बार एक मैच में चार विकेट लिए।

भारतीय टीम ने 5वें स्थान पर खत्म किया अभियान

हॉकी इंडिया ने दिया बड़ा इनाम



एमस्टेलवीन, नीदरलैंड्स, एजेसी। भारतीय महिला हॉकी टीम को ख़्वाहा महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन का इनाम मिला है। हॉकी इंडिया ने टीम के लिए 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। सलिमा टेटे की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप में पांचवां स्थान हासिल किया, जो 1974 के बाद इस टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

52 साल बाद भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन -भारत ने 5वें-6वें स्थान के

क्लासिफिकेशन मुकाबले में दुनिया की नंबर-5 टीम जर्मनी को 3-1 से हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। यह मुकाबला गुरुवार को नीदरलैंड्स के एमस्टेलवीन में खेला गया था। हॉकी इंडिया के अनुसार, भारत ने 52 साल बाद वर्ल्ड कप में पांचवां स्थान हासिल किया। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने 1974 में वर्ल्ड कप के उद्घाटन संस्करण में चौथा स्थान हासिल किया था।

सिर्फ एक मैच हारी भारतीय टीम- भारत का पूरे टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा।

टीम को सिर्फ एक मुकाबले में हार मिली, जो नीदरलैंड्स के खिलाफ थी। भारतीय टीम ने कई मजबूत और ऊंची रैंकिंग वाली टीमों को कड़ी टक्कर दी। भारत ने चीन, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले झूँ किए, जबकि दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इसके बाद पांचवें स्थान के मुकाबले में जर्मनी को हराकर भारत ने शानदार अंदाज में अपना अभियान खत्म किया।

जर्मनी के खिलाफ पहले हाफ में दबाव-जर्मनी ने मुकाबले के शुरुआती दो क्वार्टर

● **तीसरे क्वार्टर में भारत का पलटवार**-हाफ टाइम के बाद भारतीय टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और तीसरे क्वार्टर में मैच का पूरा रुख बदल दिया। 43वें मिनट में इशिका चौधरी ने शानदार रिवर्स-लिफ्ट के जरिए भारत का खाता खोला। उन्होंने सर्कल में शानदार रन बनाने के बाद बेहतरीन फिनिश किया और भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके ठीक एक मिनट बाद भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत कौर ने 44वें मिनट में इस मौके को गोल में बदलते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

● **नवनीत कौर ने दो मिनट में दागे दो गोल**-नवनीत कौर यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने 47वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने गोलकीपर के ऊपर से गेंद को शानदार तरीके से उठाते हुए भारत को 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारत ने लगातार आक्रमण करके जर्मनी को पूरी तरह दबाव में डाल दिया।

में दबदबा बनाए रखा। उसने भारतीय डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया और कई मौके बनाए।

दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर



जोहान्सबर्ग, एजेसी। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा अपनी दाहिनी हैमस्ट्रिंग में 'ग्रेड-थ्री टियर' (गंभीर चोट) के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। चोट लगने के बाद 31 वर्षीय रबाडा के दो महीने तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है, ने जिससे उनके विंटर कंडीशनिंग प्रोग्राम में भी

रुकावट आई है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड, जो रबाडा की घरेलू टीम 'लायंस' के बॉलिंग कोच हैं, ने कहा कि मेडिकल जांच के बाद उन्हें इस

हाई-प्रोफाइल सीरीज से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। इससे पहले उम्मीद थी कि वे 10 सितंबर से बोलैंड के खिलाफ शुरू होने वाले शुरुआती चार-दिवसीय घरेलू मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। रविवार को 'न्यूज़24' ने डोनाल्ड के हवाले से कहा, 'वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी टेस्ट मैचों से भी बाहर रहेंगे।' दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करनी है, जिसकी शुरुआत 9 अक्टूबर को डरबन में होगी। इसके बाद ग्केबेरहा और केप टाउन में मैच होंगे जो क्रमशः 18 और 27 अक्टूबर से शुरू होंगे। टेस्ट मैचों से पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी जिसकी शुरुआत 24 सितंबर को डरबन के किंग्समीड में होगी।

लॉर्ड्स में 2025 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर साउथ अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मैच में 9-110 के आंकड़े दर्ज किए थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ रबाडा का टेस्ट रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 11 मैचों में 21.39 की औसत से 58 विकेट लिए हैं। प्रोटियाज टीम तेज गेंदबाज नंदे बर्गर की रिकवरी पर भी नजर रख रही है, जो अभी अपनी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबर रहे हैं। चोटिल खिलाड़ियों की बढ़ती सूची के बावजूद प्रोटियाज की बॉलिंग डेथ (गेंदबाजी में विकल्पों की मौजूदगी) उनकी मदद कर सकती है। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएलजी ने हाल ही में बांग्लादेश ए के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ए के लिए 4-60 के आंकड़े हासिल किए जबकि क्वेना माफाका और कॉर्बिन बॉश टेस्ट टीम में चुने जाने की दौड़ में बने हुए हैं।

उफनती टमस नदी में 50 फीट ऊंचे पुल से कूदा युवक



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में लगातार बारिश के बाद टमस नदी उपनन पर है। इसी बीच रविवार को एक युवक ने करीब 50 फीट उंचे पुल से नदी में छलांग लगा दी घटना के बाद युवक का पता नहीं चल सका बताया जा रहा है कि युवक वीडियो बनाने के लिए नदी में कूदा था घटना का वीडियो भी सामने आया है बसामन पुलिस के अनुसार घटना रविवार शाम करीब 5 बजे बड़ी घटना के संर्बंध में जानकारी जुटाई जा रही है बारिश के बाद रीवा क्षेत्र की टमस, बेतन और महाना नदियों में जलस्तर और बहाव बढ़ हुआ है ऐसे में तेज बहाव वाली नदी में जोखिम उठना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है फिरोहाल युवक का पता नहीं चल पाया है।

लिए 'सेक्यूरिटी' अभियान शुरू किया हालांकि टमस नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण बचाव दल को मुश्किलों का सामना करना पड़ शाम होने के बाद रविवार का अभियान रोक दिया गया। अधिकारियों के अनुसार सोमवार को दोबारा तलाश अभियान चलाया जाएगा एडिशनल एसपी संदीप मिश्रा ने बताया कि युवक की तलाश के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं आसपास के लोगों से भी घटना के संर्बंध में जानकारी जुटाई जा रही है बारिश के बाद रीवा क्षेत्र की टमस, बेतन और महाना नदियों में जलस्तर और बहाव बढ़ हुआ है ऐसे में तेज बहाव वाली नदी में जोखिम उठना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है फिरोहाल युवक का पता नहीं चल पाया है।

नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई; करीब 150 घरों को जलभराव से मिलेगी राहत



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में लगातार बारिश के बाद उत्पन्न जलभराव की स्थिति को देखते हुए नगर निगम की टीमों राहत और जलनिकासी कार्य में लगातार सक्रिय हैं। नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन के निर्देश पर बाढ़ राहत कंट्रोल रूम को सक्रिय रखते हुए जलभराव से संबंधित शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है शनिवार को

कंट्रोल रूम में 60 से अधिक सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसके बाद निगम की टीमों को अलग-अलग क्षेत्रों में भेजकर जलनिकासी के कार्य कराए गए इसी क्रम में जलनिकासी मार्गों में बाधा बने अतिक्रमणों के खिलाफ नगर निगम ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के सहयोग से बड़ी कार्रवाई की। वार्ड क्रमांक 15 के आचार्य नगर में नाले के ऊपर करीब 225

मीटर लंबी बाड़ड़ी वॉल बनाकर किए गए स्थाई अतिक्रमण को हटाया गया।

नाले का प्रवाह बाधित होने से 150 घर प्रभावित: नगर निगम के अनुसार नाले के प्रवाह क्षेत्र में बाड़ड़ी वॉल बनाए जाने से बारिश के पानी की निकासी प्रभावित हो रही थी। इसके चलते आसपास के करीब 150 घरों में जलभराव की स्थिति बन रही थी संयुक्त कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण हटाकर नाले के प्रवाह क्षेत्र को खुला कराया गया, जिससे पानी की निकासी सुचारू हो सके नगर निगम का दावा है कि इस कार्रवाई के बाद आचार्य नगर क्षेत्र के करीब 150 घरों को जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी प्रशासन और निगम की टीमों ने बारिश के दौरान जलनिकासी में बाधा बनने वाले

अन्य अवरोधों को भी चिन्हित कर कार्रवाई की वार्ड क्रमांक 15 में ही कई स्थानों पर जेसीबी मशीन को सहायता से जलनिकासी कराई गई। ओम नगर में अत्यधिक जलभराव को देखते हुए जेसीबी से कच्ची नाली तैयार कर पानी को निकासी का रास्ता दिया गया

वहीं तिवारी होटल के पास नाली के ऊपर बनाए गए रैंप को भी नगर निगम की अतिक्रमण टीम ने हटाया वार्ड क्रमांक 18 में नाली के ऊपर मिट्टी डाल दिए जाने के कारण जलनिकासी बाधित होने की सूचना मिली थी। इसके बाद जेसीबी की सहायता से नाली की सफाई

कराई गई स्ट्रॉंग रूम में जमा पानी को मड पंप की सहायता से बाहर निकाला गया शंकर लाइट हाउस के पीछे नाले में पत्थर गिरने के कारण भी पानी की निकासी प्रभावित हो रही थी निगम की टीम ने नाले की सफाई कराकर पानी की निकासी सुनिश्चित की।



मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का शुभारंभ, छात्रों को समाज सेवा का संकल्प



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड रायपुर कर्तुलियान के तत्वावधान में रविवार को शासकीय महाविद्यालय में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के नए सत्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को समाज की समस्याओं को समझने, उनके समाधान के लिए कार्य करने और सामाजिक सेवकों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया इस अवसर पर नए

सत्र की पुस्तकों का वितरण करने के साथ ही वृक्षारोपण किया गया तथा विद्यार्थियों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता योगेंद्र शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रामाशंकर त्रिपाठी, विकासखंड समन्वयक सुषमा शुक्ला तथा यूनिसेफ प्रतिनिधि राजेश शर्मा मौजूद रहे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि योगेंद्र शुक्ला ने कहा कि नया सत्र केवल पढ़ाई की

शुरुआत नहीं, बल्कि समाज को समझने और उसकी समस्याओं की पहचान कर समाधान की दिशा में स्वयं को तैयार करने की यात्रा है। उन्होंने कहा कि MSW और BMSW केवल डिग्री प्राप्त करने के पाठ्यक्रम नहीं हैं, बल्कि मानव सेवा, सामाजिक न्याय, समानता और कमजोर एवं वंचित वर्गों के साथ खड़े होने की प्रेरणा देते हैं उन्होंने कहा कि समाज कार्य का सबसे महत्वपूर्ण आधार संवेदना है। किसी व्यक्ति की समस्या को केवल सुनना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी परिस्थितियों को समझकर सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना ही वास्तविक समाज कार्य है विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह ने कहा कि पाठ्यक्रम में अध्ययन के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण को भी महत्व दिया जाता है।

कल्पना मिश्रा और नवजात की मौत के बाद दूसरी जांच में निलंबन से संजय गांधी अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी अस्पताल में 25 वर्षीय कल्पना मिश्रा और उसके नवजात की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मामला अब केवल कथित चिकित्सकीय लापरवाही तक सीमित नहीं है बल्कि विभागीय जांच और जिम्मेदारी तय करने की पूरी व्यवस्था पर ही गंभीर सवाल उठने लगे हैं प्रसूति

एवं स्त्री रोग विभाग में झूठे पर तैनात रही डॉ.सोनल अग्रवाल के निलंबन के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि उनके विरुद्ध पहले भी विभागीय जांच हो चुकी थी यदि ऐसा है तो सवाल सीधा है,पहली जांच में क्या हुआ था जिसने जांच की थी? और कर्खाई क्यों नहीं हुई?

दूसरी जांच में निलंबन, तो पहली जांच का नतीजा क्या था?:

वर्तमान मामले में जारी निलंबन आदेश में प्रथम दृष्टया कार्य के प्रति घोर लापरवाही और गंभीर अनुशासनहीनता का उल्लेख किए जाने की बात सामने आई है इसी के बाद अस्पताल के भीतर और बाहर सवाल उठने लगे हैं कि जब पहले भी विभागीय स्तर पर जांच की बात सामने आ रही है तो उस समय जिम्मेदारी किसकी तय हुई थी यदि पहली जांच में कोई गंभीर तथ्य सामने आया था तो कर्खाई क्यों नहीं हुई और यदि कोई गलती नहीं मिली थी तो अब दूसरी जांच में इतने गंभीर आरोपों के आधार पर निलंबन की स्थिति क्यों बनी? पुनर्जांच की फाइल अब इस पूरे मामले की सबसे अहम कड़ी बन गई है।

करुणा भरी पुकार, मैं नहीं

बकूरी... बचा लीजिए न झक्झोर दिया: बैक्यूपुर के हड्डा निवासी कल्पना मिश्रा पहली बार मां बनने वाली थीं। प्रसव के लिए उन्हें संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उनकी हालत बिगड़ती गई और 26 अगस्त की रात 11 बजकर 55 मिनट पर उनकी मौत हो गई। इसके साथ ही उनके नवजात की भी जान चली गई मौत से कुछ घंटे पहले का एक वीडियो सामने आया है। इसमें कल्पना अस्पताल से बाहर निकलकर अपने परिजन से मदद मांगती दिखाई देती हैं वीडियो में उनके द्वारा मैं नहीं बकूरी... बचा लीजिए कहे जाने की बात सामने आई है इस दृश्य ने अस्पताल की व्यवस्था और मरीज की समय पर

देखभाल को लेकर उठ रहे सवालों को और गंभीर बना दिया है।

मौत से पहले परिजनों ने लगाई थी गुद्दर: मृतका के पिता रामशरण मिश्रा और अन्य परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कल्पना की बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉक्टरों से तत्काल देखने और उपचार की मांग की थी। परिजनों का दावा है कि उनकी शिकायतों पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई। परिजनों ने डॉ. सोनल अग्रवाल सहित संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कर्खाई की मांग की। अमहिया थाने में आवेदन दिए जाने की बात भी सामने आई है। महिला और नवजात के लिए प्रेरित परिजनों ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जताया।

रीवा के निजी अस्पताल की लिफ्ट में मरीज की दर्दनाक मौत, परिजनों ने प्रबन्धन पर लगाए गंभीर लापरवाही के आरोप



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के निजी अस्पताल की लिफ्ट में मरीज की दर्दनाक मौत, परिजनों ने प्रबंधन पर लगाए गंभीर लापरवाही के आरोप रीवा के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे परिवार की उम्मीदें उस वक्त मातम में बदल गईं, जब लिफ्ट हाइसे में मरीज की जान चली गई परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे थे सुरेश सेन: रीवा जिले के समान थाना क्षेत्र में शनिवार को यह दर्दनाक घटना हुई। मृतक की पहचान अमरपाटन क्षेत्र के लालपुर गांव निवासी सुरेश सेन के रूप में हुई है। उनके बेटे हिमांशु सेन के अनुसार, कुछ दिन पहले पेड़ से गिरने के कारण सुरेश के कंधे की हड्डी टूट गई थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए रीवा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जच्चा-बच्चा मौत मामले में

अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा रहे प्रॉटलाइन पर, बोले लापरवाही करने वाला कोई भी हो, कार्रवाई होगी।

स्टेचर से लिफ्ट में ले जाया जा रहा था मरीज: परिजनों के मुताबिक, शनिवार रात अस्पताल का एक कर्मचारी सुरेश सेन को स्टेचर पर लियकर लिफ्ट से ऊपरी मंजिल की ओर ले जा रहा था। परिवार के सदस्य भी साथ जाना चाहते थे, लेकिन कर्मचारी ने उन्हें लिफ्ट में आने से रोक दिया और सीढ़ियों से ऊपर जाने को कहा यही फैसला कुछ ही देर बाद परिवार के लिए बेहद दर्दनाक साबित हुआ।
ऊपर पहुंचे तो लिफ्ट में फंसा मिला शरीर: हिमांशु सेन का आरोप है कि जब परिवार के सदस्य सीढ़ियों से ऊपर पहुंचे तो सुरेश सेन लिफ्ट के निचले हिस्से में फंसे मिले।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर रीवा में साइकिल रैली, खेल भावना और फिटनेस का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत रीवा में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों, खिलाड़ियों, खेल संघों, संस्थाओं और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को खेलों से जुड़ने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और साइकिलिंग के प्रति जागरूक करना रहा राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत 29 और 30 अगस्त को विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इसी क्रम में रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' एवं साइकिल रैली का आयोजन



किया गया रैली का शुभारंभ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से संयुक्त कलेक्टर सुधीर वेक ने हरी झंडी दिखाकर किया साइकिल रैली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से प्रारंभ होकर चुंगी नाका, सिरमौर चौराहा और कॉलेज चौराहा होते हुए विवेकानंद पार्क पहुंची, जहां इसका समापन हुआ रैली में शामिल प्रतिभागियों ने साइकिलिंग के माध्यम से फिटनेस, खेलों के प्रति

जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर माइकल तिकी, अनुविभागीय अधिकारी गुढ़ सुधाकर सिंह बघेल, अनुविभागीय अधिकारी रायपुर कर्तुलियान संजय कुमार तथा जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. प्रेमलाल मिश्रा की उपस्थिति रही आयोजन में उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, एनसीसी, एनएसएस, नगर पालिक निगम

और पुलिस विभाग का सहयोग रहा साइकिल रैली में खेल विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं



के प्रतिनिधि, खेल संघों और खेल प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े पदाधिकारी तथा साइक्लोथॉन में शामिल साइकिलिस्टों ने हिस्सा लिया कार्यक्रम में सहायक संचालक राजेश मिश्रा, क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह, मार्तंड क्रमांक-1 के प्राचार्य आर.के.

जैन, पी.के. स्कूल के मुनालाल पटेल, देवकरन मिश्रा, मार्तंड क्रमांक-2 के पीटीआई भारत चंद्राकिश भार्गव, रमेश चौरसिया,

रीवा में 48 घंटे से बारिश का दौर जारी, बाणसागर के 6 गेट खुले; प्रशासन ने तेज किए राहत और जल निकासी के काम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में पिछले 48 घंटों से रुक-रुककर तेज बारिश का दौर जारी है। लगातार बारिश के चलते जिले की नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है और कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है प्रशासन ने बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं इसी बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार सुबह रीवा से चित्रकूट के लिए रवाना हुए और वहां पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया मुख्यमंत्री शनिवार रात अल्प प्रवास कर रीवा पहुंचे थे। रविवार सुबह करीब 8 बजे वे रीवा से चित्रकूट के लिए रवाना हुए चित्रकूट पहुंचकर



उन्होंने हेलीकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में सरकार

उनके साथ है तथा पीड़ित परिवारों को हर्षभभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने राहत शिविर पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री भी वितरित की रीवा

से खाना होने से पहले मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की।

जिले में अब तक 569.4 मिमी औसत वर्षा: जिले में 30 अगस्त को43.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार हुजूर में 33 मिमी, रायपुर कर्तुलियान में 52 मिमी, गुड़ में 9 मिमी, सिरमौर में 55 मिमी, ल्योथर में 60 मिमी, सेमरिया में 35 मिमी, मनगवां में 25 मिमी और जवा में 80 मिमी बारिश दर्ज हुई एक जून से 30 अगस्त तक जिले में कुल569.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस अवधि में हुजूर में 679.3 मिमी, रायपुर कर्तुलियान में 621.3 मिमी,

गुड़ में 877 मिमी, सिरमौर में 541.4 मिमी, ल्योथर में 368 मिमी, सेमरिया में 477 मिमी, मनगवां में 385 मिमी और जवा में 606 मिमी वर्षा दर्ज की गई है गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 733.6 मिमी औसत वर्षा हुई थी, जबकि रीवा जिले की सामान्य औसत वर्षा 1044.6 मिमी है।

बाणसागर के 6 गेट खोले, 2454 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा: लगातार बारिश के बीच बाणसागर बांध का जलस्तर अधिकतम जलस्तर 341.64 मीटर के करीब पहुंच गया जलस्तर 341.58 मीटर होने के बाद 30 अगस्त को दोपहर 2 बजे बांध के गेट दो-दो मीटर खोल दिए गए इन

गेटों से करीब2454 क्यूमेक्स पानी नदी में छोड़ा जा रहा है पानी छोड़े जाने के पड़नेपर सोन नदी के किनारे बसे सीधी और सिंगरौली जिले के गवां में नदी का जलस्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की गई है प्रशासन द्वारा संबंधित क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

टमस नदी का जलस्तर बढ़ा, डीड पुल फिर बाढ़ की चपेट में: टमस और बीहड़ नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश के कारण ल्योथर क्षेत्र में टमस नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है डीड पुल भी दोबारा बाढ़ से प्रभावित हुआ है हालांकि टमस नदी फिरोहाल खतरों के निशान से नीचे बह रही है।